दिनमान: सूर्योदय 5.00 सूर्यास्त 6.06
तापमान: अधिकतम 34° न्यूनतम 25°

वर्ष 18, अंक 320 पृष्ठ 8
कोलकाता, शुक्रवार, 8 मई 2026
ज्येष्ठ, कृष्णपक्ष, षष्ठी, वि.सं. 2083

मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

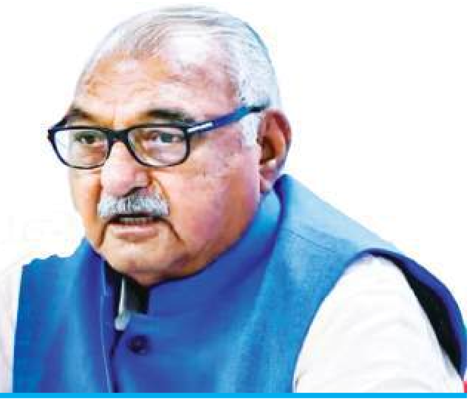

आज गृहमंत्री की मौजूदगी में भाजपा विधायक दल की बैठक

कल ब्रिगेड मैदान होगा में नये सीएम का शपथ ग्रहण समारोह

पीएम, गृहमंत्री सहित देश भर से एनडीए के मुख्यमंत्री शामिल होंगे

कोलकाता: शुक्रवार को भाजपा की विधायक दल की अहम बैठक होगी, जिसमें भाजपा विधायक दल का नेता चुना जायेगा. संभावना है कि नेता चुने जाने पर शनिवार को शुभेंदु अधिकारी नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे. समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, एनडीए शासित सभी 20 राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, सहयोगी दलों के अध्यक्ष और वरिष्ठ मंत्री शिरकत करेंगे. यह कार्यक्रम कोलकाता के प्रतिष्ठित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 10 बजे से शुरू होगा. इससे पहले, केंद्रीय पर्यवेक्षक गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में शुक्रवार शाम चार बजे विधायक दल की बैठक में नेता का चयन होगा. तृणमूल कांग्रेस के बंगाली अस्मिता के मुद्दे की प्रभावी

रूप से हवा निकालने के लिए भाजपा ने शपथ ग्रहण के लिए रवींद्रनाथ टैगौर की 165वीं जयंती को चुना है. इस दिन 25वां वैशाख है, जो बंगाली कैलेंडर के मुताबिक टैगोर जयंती है. हालांकि अंग्रेजी भाजपा कार्यालय में सीएम पद कैलेंडर के हिसाब से उनकी के दावेदार शुभेदु अधिकारी जयंती 7 मई को होती है

पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में इस बार बड़ा उलटफेर देखने को मिला है. भाजपा ने राज्य में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए 207 सीटों पर कब्जा जमाया है. इस जीत के साथ ही भाजपा ने दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल कर लिया है और बंगाल में टीएमसी के 15 साल के राज को खत्म कर दिया है. दूसरी ओर, ममता बनर्जी की पार्टी महज 80 सीटों पर सिमट कर रह गई है. इस हार के बाद ममता बनर्जी ने अब अपनी पूरी ताकत 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करने में लगाने का संकल्प लिया है. वहीं, ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट से बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने 15,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया. वहीं दक्षिण 24 परगना जिले की फालता सीट पर 21 मई को पुनर्मतदान कराया जाएगा और मतगणना 24 मई को होगी.

देवबंद में मंच से गरजे सीएम योगी, कहा-

बंगाल की जीत ने दिखाया आईना

देवबंद: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को सहारनपुर जिले के देवबंद पहुंचे, जहां उन्होंने हजारों करोड़ रुपये की लागत से तैयार और प्रस्तावित विभिन्न जनकल्याणकारी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कई विभागों की योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए और जनसभा को संबोधित करते हुए बंगाल की जीत को लेकर बड़ा संदेश दिया. जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता विकास और सुशासन को प्राथमिकता देती है. उन्होंने कहा कि प्रदेश में तीसरी बार, उत्तराखंड में दूसरी बार और पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद उन लोगों को आईना दिखाने का काम हुआ है, जो समाज को बांटने की राजनीति करते हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि जनप्रतिनिधि जनता के बीच सक्रिय रहते हैं.

बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार : 32 मंत्रियों ने शपथ ली

सीएम सम्राट ने गृह विभाग खुद के पास रखा, निशांत को स्वास्थ्य विभाग

पटना: बिहार में सम्राट चौधरी सरकार का कैबिनेट विस्तार हुआ, जिसमें 32 मंत्रियों ने शपथ ली. सीएम ने गृह समेत 6 विभाग अपने पास रखे. बिजेंद्र यादव को वित्त, विजय चौधरी को जल संसाधन और पहली बार मंत्री बने निशांत कुमार को स्वास्थ्य विभाग मिला. निशांत पहली बार मंत्री बने हैं और फिलहाल किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं. शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी मिथिलेश तिवारी संभालेंगे. शिक्षा विभाग पहली बार बीजेपी के खाते में गई है. पटना के गांधी मैदान में कुल 32 मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली. नई कैबिनेट में भाजपा के 15, जदयू के 13, लोजपा (रामविलास) के 2, हम के 1 और रालोमो के 1 मंत्री शामिल हैं.

सीएम सम्राट चौधरी को सामान्य प्रशासन, गृह, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन, सिविल विमानन, ऐसे सभी विभाग जो किसी को आवंटित नहीं हैं, विजय कुमार चौधरी को जल संसाधन, संसदीय कार्य, बिजेन्द्र प्रसाद यादव को वित्त, वाणिज्य-कर, श्रवण कुमार को ग्रामीण विकास, सूचना एवं जन-संपर्क, विजय कुमार सिन्हा को कृषि, डॉ दिलीप कुमार जायसवाल को राजस्व एवं भूमि सुधार, निशांत कुमार को स्वास्थ्य, लेसी सिंह को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण, राम कृपाल यादव को सहकारिता, नीतीश मिश्रा को नगर विकास एवं आवास, सूचना प्रावैधिकी, दामोदर रावत को परिवहन, संजय सिंह टाइगर को उच्च शिक्षा, विधि, अशोक चौधरी को भवन निर्माण, भगवान सिंह कुशवाहा को योजना एवं विकास, अरुण शंकर प्रसाद को श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास, मदन सहनी मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन, डॉ संतोष कुमार सुमन को लघु जल संसाधन, राम निवास को पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, रत्नेश को आपदा प्रबंधन, कुमार शैलेन्द्र को पथ निर्माण, शीला कुमारी को विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा, केदार प्रसाद गुप्ता को पर्यटन, लक्ष्मण कुमार निषाद को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, सुनील कुमार को ग्रामीण कार्य, श्रेयसी सिंह को उद्योग, खेल, मो जमा खान को अल्पसंख्यक कल्याण, नन्दकिशोर राम को डेयरी, मत्स्य पशु संसाधन, शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल को ऊर्जा, प्रमोद कुमार को खान एवं भूतत्व, कला एवं संस्कृति, श्वेता गुप्ता को समाज कल्याण, दिनेशचंद्र दिवाकर को शिक्षा, रामचन्द्र प्रसाद को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, संजय कुमार सिंह को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, संजय कुमार को गन्ना उद्योग, दीपक प्रकाश को पंचायती राज.

राज्यपाल ने ममता सरकार को बर्खास्त किया

सीएम ने इस्तीफा देने से किया था इनकार ■ भारत के लोकतंत्र में बंगाल बना पहला राज्य! ■ बंगाल में आदर्श आचार संहिता हटाई गयी

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर एन रवि ने इस्तीफा देने से इनकार करने पर ममता बनर्जी को बर्खास्त कर दिया. यह भारत के राजनीतिक इतिहास में पहला मामला है, जब नई सरकार के गठन के लिए चुनाव में हारी सीएम को बर्खास्त किया गया हो. 4 मई को विधानसभा चुनाव में टीएमसी की करारी हार हुई थी. 207 सीट जीतने वाली बीजेपी पहली बार पश्चिम बंगाल में 9 मई को सरकार बनाएगी.

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने गुरुवार को ममता बनर्जी के मंत्रिमंडल को भी बर्खास्त कर दिया है. इसके लिए उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 174 (2) (बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल किया है. लोकभवन, कोलकाता की तरफ से जारी पत्र में कहा गया कि राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग करने का आदेश दिया है. यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है.

ममता बनर्जी 2011 से लगातार पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज थीं. वह तीन बार राज्य की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं. 2026 विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजपी) ने बड़ी जीत हासिल की है. बीजेपी ने 293 में से 207 सीट हासिल की है, जबकि तृणमूल 80 सीटों तक ही सिमट कर रह गई है. बंगाल में बहुमत का जादुई आंकड़ा छूने के लिए 148 सीट चाहिए थीं, लेकिन बीजेपी ने 207 सीटों के साथ यह आंकड़ा भी पार कर लिया है. वहीं, एक सीट फाल्टा पर 21 मई को मतदान और 24 मई को नतीजे आएंगे. इससे पहले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की प्रक्रिया फाल्टा विधानसभा सीट को छोड़कर पूरी होने के बाद चुनाव आयोग (ईसीआई) ने राज्य के लिए नियुक्त विशेष चुनाव पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता और विशेष पुलिस पर्यवेक्षक एन.के. मिश्रा को उनके दायित्वों से मुक्त कर दिया है. इसी बीच, चुनाव आयोग ने गुरुवार को फालता विधानसभा क्षेत्र को छोड़कर पूरे पश्चिम बंगाल में आदर्श आचार संहिता भी हटा ली.

रथ अगर मेरे निजी सहायक नहीं होते तो उनकी हत्या नहीं होती : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि चंद्रनाथ रथ अगर उनके निजी सहायक के तौर पर काम नहीं करते तो शायद उनकी हत्या नहीं होती. उन्होंने भरोसा जताया कि पुलिस हमलावरों को गिरफ्तार कर लेगी. शुभेंदु ने आरोप लगाया कि रथ की हत्या में सुपारी लेकर हत्या करने वाले संलिप्त थे. उन्होंने दावा किया कि रथ की किसी से कोई राजनीतिक दुश्मनी नहीं थी. रथ के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक स्थान पूर्वी मेदिनीपुर जिले के चांदीपुर ले जाते समय शुभेंदु ने संवाददाताओं से कहा कि भारतीय वायु सेना के पूर्व कर्मी रथ की हत्या मेरे साथ उनके संबंध के कारण हुई है.

शुभेंदु बारासात स्टेट जनरल अस्पताल में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे, जहां रथ के शव का पोस्टमार्टम किया गया. भाजपा नेता ने कहा, अगर भारतीय वायु सेना का पूर्व जवान मेरा निजी सहायक न होता और मैं भवानीपुर से चुनाव न जीता होता, तो शायद उसकी जान न जाती. उसकी एकमात्र गलती यह थी कि वह शुभेंदु अधिकारी का निजी सहायक था. उसकी जान लेने के लिए उस पर पांच गोलियां चलाई गईं.भाजपा के पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने अपराह्न करीब तीन बजे शव वाहन के चांदीपुर के लिए रवाना होने से पहले रथ को श्रद्धांजलि अर्पित की. उत्तर 24 परगना जिले के मध्यग्राम में बुधवार रात को रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी.

शुभेंदु ने मामले की जांच के बारे में बताया कि पुलिस महानिदेशक (डीजीपी)ने उन्हें सूचित किया है कि अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल घटनास्थल से लगभग चार किलोमीटर दूर बरामद की गई है. उन्होंने अस्पताल से बाहर संवाददाताओं से कहा, पुलिस काम कर रही है. मैंने डीजीपी से बात की, उनके पास कुछ सुराग हैं और कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है. मुझे विश्वास है कि पुलिस हमलावरों को गिरफ्तार कर लेगी.

सीआईडी, फोरेंसिक और एसआईटी काम कर रही हैं और पुलिस सही दिशा में आगे बढ़ रही है.शुभेंदु ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तंज कसते हुए दावा किया कि पुलिस मामलों को सुलझाने में सक्षम है, लेकिन पहले उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं थी. भाजपा नेता ने तृणमूल कांग्रेस द्वारा मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग पर कहा , अब तृणमूल की कोई प्रासंगिता नहीं है. पुलिस इस मामले को सुलझा लेगी. उन्होंने पुलिस से हत्या में शामिल सभी लोगों की पहचान करने और उन्हें मृत्युदंड दिलाने का आग्रह किया.रथ की मां ने हालांकि दोषियों को मृत्युदंड के बजाय आजीवन कारावास की मांग की, क्योंकि वह एक मां के दर्द को समझती थीं. वह पूर्वी मेदिनीपुर में भाजपा की कार्यकर्ता भी हैं. शुभेंदु ने कहा कि पूर्वी मेदिनीपुर में भाजपा नेता रथ की पत्नी और बेटी के साथ खड़े रहेंगे.

आज आएगा पश्चिम बंगाल बोर्ड 10वीं का रिजल्ट

कोतकाता: पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 8 मई 2026 को माध्यमिक वार्षिक परीक्षा का रिजल्ट जारी करेगा. पश्चिम बंगाल बोर्ड की 10वीं परीक्षा में शामिल हुए करीब 9.71 लाख छात्र अपने रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं. बोर्ड ने इस वर्ष कक्षा 10 की परीक्षाएं 2 फरवरी से 12 फरवरी 2026 के बीच राज्यभर के 2600 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की थीं. पश्चिम बंगाल मदरसा बोर्ड आलिम, फाजिल और हाई मदरसा का रिजल्ट भी कल ही आयेगा. रिजल्ट जारी होने के बाद छात्र आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना स्कोरकार्ड डाउनलोड कर सकेंगे. छात्रों को रिजल्ट देखने के लिए अपना रोल नंबर और जन्मतिथि दर्ज करनी होगी.

अधिक ट्रैफिक की स्थिति में डिजीलॉकर और एसएमएस सुविधा का भी उपयोग किया जा सकेगा. पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड माध्यमिक परीक्षा के नतीजे प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए घोषित करेगा. बोर्ड के अनुसार, प्रेस कॉन्फ्रेंस सुबह 9.30 बजे शुरू होगी, जिसके बाद 10 बजकर 15 मिनट पर रिजल्ट वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा. बोर्ड ने बताया कि स्कूल 8 मई को सुबह 10:30 बजे से बोर्ड के संबंधित कैंप कार्यालयों से मार्कशीट और प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकेंगे.सुबह 10.15 बजे से परिणाम निर्धारित वेबसाइटों पर उपलब्ध होंगे.

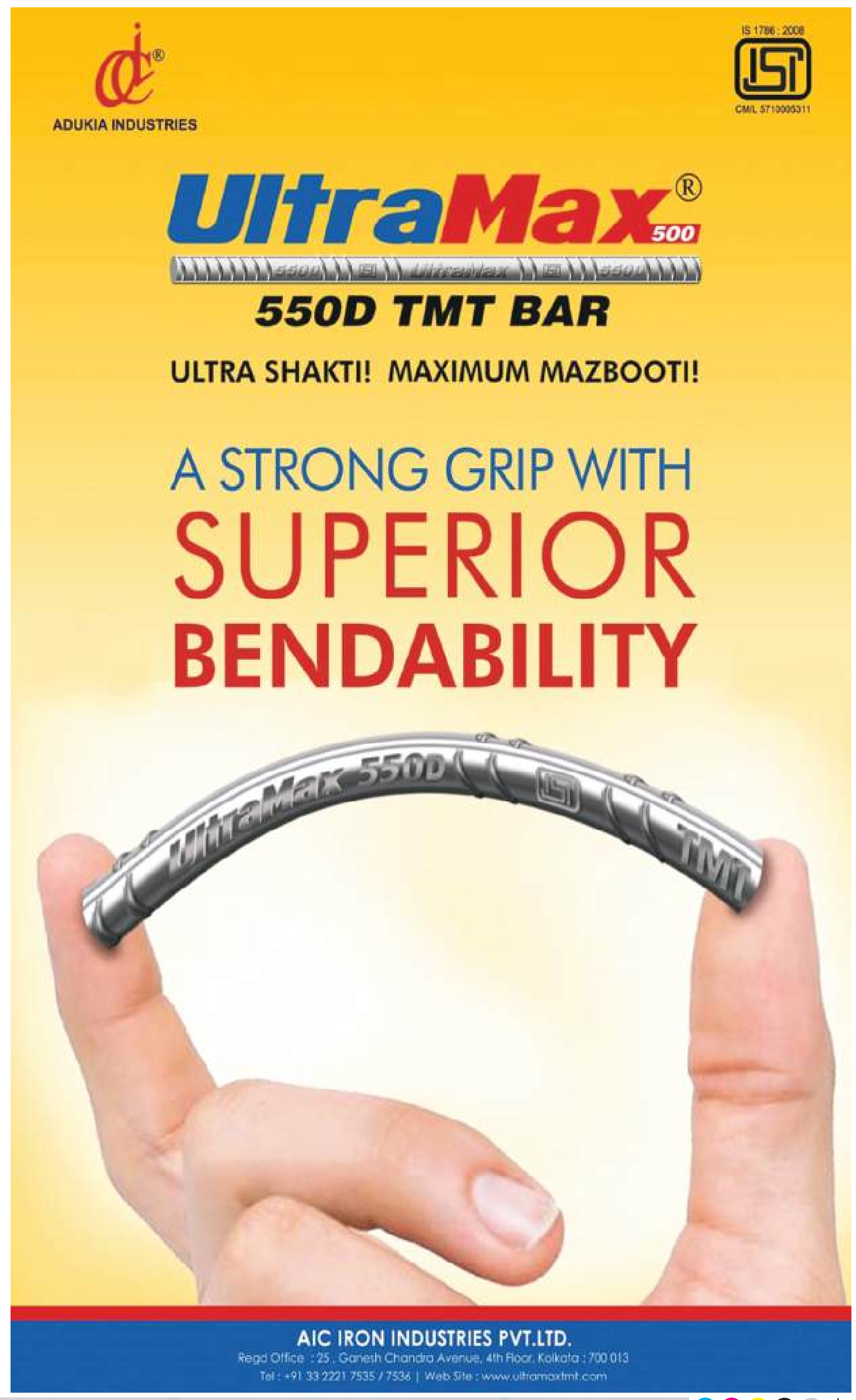

बंगाल में चुनाव बाद कई जगहों पर हिंसा जारी

पानीहाटी व हावड़ा के शिवपुर में बमबाजी, 6 भाजपा कार्यकर्ता घायल

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है. राज्य के कई इलाकों में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की बीच झड़प की खबरें आ रही हैं. गुरुवार को हावड़ा के शिवपुर स्थित चौराबस्ती इलाके में कथित तौर पर भाजपा और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई. घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ है. नतीजे आने के बाद से ही राज्य के अलग-अलग हिस्सों में खूनी खेल शुरू हो गया है. चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद शांति बहाल होने के बजाय हिंसा और राजनीतिक टकराव की खबरें थमने का नाम नहीं ले रही हैं. उत्तर 24 परगना जिले का पानीहाटी इलाका उस वक्त दहल उठा जब वहां भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर बम फेंके गए. एक तरफ जहां लोग जीत का जश्न मना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हिंसा की इन घटनाओं ने आम आदमी के मन में डर पैदा कर दिया है. यह हिंसा केवल एक इलाके तक सीमित नहीं है, बल्कि बसीरहाट, बारानगर और हावड़ा जैसे क्षेत्रों से भी ऐसी ही खबरें सामने आ रही हैं.

उत्तर 24 परगना के पानीहाटी इलाके में गुरुवार की सुबह जो हुआ, उसने सबको हैरान कर दिया. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पानीहाटी नगरपालिका के वार्ड नंबर-2 में स्थित दत्ता रोड पर कुछ भाजपा कार्यकर्ता स्थानीय लोगों के साथ खड़े होकर बातचीत कर रहे थे. तभी अचानक दो बाइकों पर सवार होकर चार हमलावर वहां पहुंचे. इत्तेफाक से जिस इलाके में धमाका हुआ वह नई चुनी गई बीजेपी एमएलए रत्ना देबनाथ के घर के पास है. वह आजीकर हॉस्पिटल की रेप पीड़िता की मां हैं. हमलावरों ने बिना सोचे-समझे वहां खड़े कार्यकर्ताओं पर एक के बाद एक तीन देशी बम फेंक दिए और मौके से फरार हो गए. बम धमाकों की आवाज इतनी तेज थी कि पूरा इलाका गूंज उठा और अफरा-तफरी मच गई. इस हमले में भाजपा के पांच कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. पानीहाटी की यह घटना भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के कुछ ही घंटों बाद हुई है. बुधवार रात को मध्यग्राम में चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिससे राज्य में पहले से ही तनाव

था. भाजपा ने आरोप लगाया है कि पानीहाटी में हुआ हमला उसी सुनियोजित हिंसा का हिस्सा है जिसे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लोग अंजाम दे रहे हैं. शुभेंदु अधिकारी ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्य में पिछले 15 वर्षों से बदले की राजनीति चल रही है और यह 'महा जंगलराज' का नतीजा है. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि खरदह में बमबाजी, बसीरहाट में गोलीबारी और मध्यग्राम में उनके सहयोगी की हत्या, ये सभी घटनाएं एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा.

हालांकि, टीएमसी ने इन आरोपों पर अभी तक कोई आधिकारिक जवाब नहीं दिया है. गुरुवार दोपहर को हावड़ा के शिवपुर थाना क्षेत्र के चौड़ाबस्ती इलाके में बमबाजी की घटना घटी. इससे तनाव फैल गया. इस घटना में भाजपा के दो कार्यकर्ता घायल हो गए. घटना दोपहर करीब ढाई बजे हुई इस घटना के विरोध में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव किया.

शुभेंदु अधिकारी पीए हत्याकांड

चलीं थी 10 राउंड गोलियां, अपराधियों की बाइक मिली

कोलकाता: बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सचिव चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना की सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि इस आपरेशन को महज 50 सेकंड में अंजाम दिया गया. चंद्रनाथ की कार के आसपास 10 राउंड गोलियां चलाई गईं. गोलीबारी अत्याधुनिक स्वचालित हथियार से की गई थी.पुलिस का अनुमान है कि चंद्रनाथ की कार को रोकने वाली कार में एक शार्प शूटर सवार था. दो बाइक सवार पीछे से पीछा कर रहे थे. कार चालक ने बाइक सवारों से सूचना का आदान-प्रदान किया. हत्या के बाद हमलावर बाइक पर सवार होकर फरार हो गए. तीनों घटना के छह घंटे पहले से इलाके में ही थे. घटनास्थल से बरामद कारतूस की जांच से पता चला है कि अपराध में इस्तेमाल की गई पिस्तौल आस्ट्रिया निर्मित बताई जा रही है. बता दें कि बुधवार रात 10:30 बजे मध्यमग्राम के दोहारिया में दो बाइक व कार से आए बदमाशों ने प्वाइंट ब्लैंक रेंज से चंद्रनाथ को कार में गोली मारकर हत्या कर दी थी. इस घटना में चालक को भी गोली लगी थी. इधर घटना की जांच के लिए राज्य सरकार ने विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन किया है.

पुलिसकर्मी पर हमला करने के आरोप में तृणमूल पार्षद गिरफ्तार

हुगली : श्रीरामपुर के टिन बाजार इलाके में एक आंगनबाड़ी केंद्र बंद पड़ा था. गुरुवार को उसका ताला खोलने के लिए पुलिस पहुंची थी. श्रीरामपुर थाने की पुलिस के साथ केंद्रीय बल के जवान भी मौजूद थे.आरोप है कि श्रीरामपुर नगरपालिका के वार्ड नंबर 10 के तृणमूल पार्षद राजेश शाह उर्फ कुक्कुआ ने ताला खोलने में बाधा दी. पुलिस के साथ बहस के दौरान काउंसिलर ने अचानक एएसआई नटराज की नाक पर घूंसा मार दिया. इससे उनकी नाक फट गई. पुलिस ने राजेश शाह समेत उनके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें श्रीरामपुर अदालत में पेश किया गया. श्रीरामपुर के भाजपा विधायक भास्कर भट्टाचार्य ने कहा कि पुलिस को किसी राजनीतिक रंग को देखे बिना कार्रवाई करनी चाहिए. इलाके में कानून का राज स्थापित होना चाहिए. किससे पूछताछ होगी और किसे गिरफ्तार किया जाएगा, यह पुलिस का मामला है. इसमें हम कोई हस्तक्षेप नहीं करेंगे. लोग इलाके में शांति चाहते हैं.तृणमूल पार्षद राजेश शाह ने श्रीरामपुर थाने से अदालत ले जाए जाने के दौरान कहा कि इलाके में आपसी सहमति से एक आंगनबाड़ी केंद्र बनाया गया था. भाजपा और माकपा उस पर कब्जा करना चाहते थे, इसी को लेकर विवाद हुआ. उन्होंने कहा कि कुछ धक्का-मुक्की हुई हो सकती है, लेकिन उन्होंने किसी पर हाथ नहीं उठाया. उन्होंने आरोप लगाया कि उनके और उनकी पत्नी के वार्ड में बढ़त मिलने की वजह से राजनीतिक प्रतिशोध लिया गया है.

न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन पर सिंडिकेट राज के खिलाफ भाजपा का हल्ला बोल

सिलीगुड़ी: न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन इलाके में कथित सिंडिकेट राज को लेकर बढ़ते आरोपों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को जागरूकता अभियान चलाया. भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक स्टेशन परिसर में पहुंचकर आम लोगों से बातचीत करते नजर आए. उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से इलाके में विभिन्न सेवाओं और व्यवसायों पर सिंडिकेट का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे आम लोग और छोटे व्यापारी परेशान हैं.नेताओं का कहना है कि सिंडिकेट के कारण लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है और कई बार उन्हें जबरन खास समूहों से ही सेवाएं लेने के लिए मजबूर किया जाता है. भाजपा ने इस अभियान के जरिए लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और किसी भी तरह की जबरदस्ती के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की. साथ ही प्रशासन से इस मामले में सख्त कदम उठाने की मांग भी की गई.स्टेशन परिसर में मौजूद लोगों ने भी अपनी समस्याएं साझा कीं.भाजपा ने संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे.हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है.

हार स्वीकार कर राजनीति से दूर हुए कृष्ण कल्याणी, कहा – जनता ने मुझे नहीं चुना

उत्तर दिनाजपुर : विधानसभा चुनाव 2026 में भारी हार के बाद रायगंज के पूर्व विधायक कृष्ण कल्याणी ने राजनीति छोड़ने का ऐलान किया है. रायगंज में गुरुवार को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने साफ कहा कि अब वह किसी भी राजनीतिक गतिविधि में हिस्सा नहीं लेंगे और आगे समाज सेवा व अपने व्यवसाय पर ध्यान देंगे.उन्होंने अपनी हार की जिम्मेदारी खुद लेते हुए कहा कि जनता ने इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भरोसा जताया और उन्हें स्वीकार नहीं किया. इस चुनाव में उन्हें भाजपा उम्मीदवार कौशिक चौधरी से करीब 59 हजार वोटों से हार का सामना करना पड़ा.कृष्ण कल्याणी ने यह भी माना कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के प्रति लोगों में नाराजगी थी, जिसका असर नतीजों में दिखा.गौरतलब है कि वह 2021 में भाजपा से जीतने के बाद कुछ ही महीनों में तृणमूल में शामिल हो गए थे. बाद में लोकसभा चुनाव में हार और फिर उपचुनाव में जीत के बावजूद वह लोगों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरे नहीं उतर पाए. हालांकि, गरीबों के लिए उनकी रोटी-सब्जी सेवा पहले की तरह जारी रहेगी. उनके इस फैसले से उत्तर दिनाजपुर की राजनीति में हलचल मच गई है.

पश्चिम मेदिनीपुर में हिंसा पर सख्त कार्रवाई, 24 घंटे में 162 गिरफ्तार

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विभिन्न इलाकों से हिंसा और अशांति की घटनाएं सामने आने के बीच प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है. जिला प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त रूप से बताया कि पिछले 24 घंटों में हिंसक घटनाओं में शामिल होने के आरोप में कुल 162 लोगों को गिरफ्तार किया गया है.बुधवार शाम को मेदिनीपुर में आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जिलाधिकारी बीजिन कृष्णा, पुलिस अधीक्षक पापिया सुल्ताना तथा सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि चुनाव के बाद किसी भी प्रकार की प्रतिशोधात्मक राजनीति, तोड़फोड़, आगजनी या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. गुरुवार सुबह पार्टी कार्यालय हड़पने को लेकर खड़गपुर में कुछ वार्डो में गहमा गहमी दिखाई दी है लेकिन भाजपा के आपसी गुट की मतभेत बताया गया जिसे आपस में सुलझा लिया गया.

पुलिस के अनुसार, जिले के कई क्षेत्रों में पार्टी कार्यालयों पर कब्जे, घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाओं की शिकायतें मिली थीं. इसके बाद संवेदनशील इलाकों में पुलिस और केंद्रीय बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है. विभिन्न गांवों और ब्लॉकों में लगातार रूट मार्च किया जा रहा है ताकि लोगों में सुरक्षा का भरोसा बना रहे.पुलिस अधीक्षक पापिया सुल्ताना ने कहा कि स्थिति अब काफी हद तक नियंत्रण में है.

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि शांति भंग करने या हिंसा फैलाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी. गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है.

आवासीय मदरसे से लापता छात्र का शव बरामद

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी महकमा के फांसीदेवा से एक दर्दनाक और रहस्यमय मामला सामने आया है. आवासीय मदरसे में पढ़ने आए एक छात्र का शव महानंदा नहर से बरामद किया गया है.मृत छात्र का नाम मुसन्निफ रेजा (17) है, जो बिहार के किशनगंज का निवासी था. वह फांसीदेवा के तुफानडांगी इलाके के एक मदरसे में पढ़ाई कर रहा था.मदरसा सूत्रों के अनुसार, मंगलवार दोपहर खाना खाने के बाद मुसन्निफ दुकान जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन फिर वापस नहीं लौटा. खोजबीन के दौरान महानंदा नहर के किनारे उसका मोबाइल, चश्मा और जूते बरामद हुए. पुलिस को सूचना दी गई.बुधवार को पूरे दिन राहत और आपदा प्रबंधन टीम ने नहर में तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला. गुरुवार सुबह नहर से उसका शव बरामद हुआ.मृतक की मां शफाकत जहां ने मदरसा कर्मचारियों पर संदेह जताया है.

दिनहाटा एवं सिताई में तृणमूल नेताओं का पलायन

कूचबिहार : पश्चिम बंगाल में भाजपा के जीत के बाद दिनहाटा-सिताई इलाके से बड़ी राजनीतिक हलचल की खबर गुरुवार को सामने आई है. राज्य में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद कई स्थानीय नेता इलाके छोड़कर चले गए हैं या छिप गए हैं.सूत्रों के मुताबिक, दिनहाटा के प्रभावशाली नेता उदयन गुहा और उनके बेटे सायंतन गुहा चुनाव परिणाम के बाद रातों-रात क्षेत्र छोड़कर चले गए. बताया जा रहा है कि पहले बेटे ने और फिर देर रात उदयन गुहा ने भी दिनहाटा छोड़ दिया.इसी तरह कई अन्य नेता और उनके करीबी भी इलाके से गायब बताए जा रहे हैं. कुछ नेताओं पर पहले विपक्ष को धमकी देने के आरोप भी लगे थे, जिसके कारण अब माहौल बदलते ही वे खुद असुरक्षित महसूस कर रहे हैं.वहीं, सिताई क्षेत्र में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है.सांसद जगदीश चंद्र बसुनिया और विधायक संगीता राय के भी क्षेत्र छोड़ने की खबर है. उनके करीबी सहयोगी भी नजर नहीं आ रहे हैं. हालांकि, कुछ नेताओं का दावा है कि वे इलाके में ही हैं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रहे.राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सत्ता बदलने के बाद स्थानीय स्तर पर तनाव और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है, जिसके चलते यह स्थिति पैदा हुई है. फिलहाल, पूरे मामले को लेकर इलाके में चर्चा तेज है और हालात पर सभी की नजर बनी हुई है.

तृणमूल में रहकर भी दूरी क्यों, जॉन बारला की भूमिका पर उठे सवाल

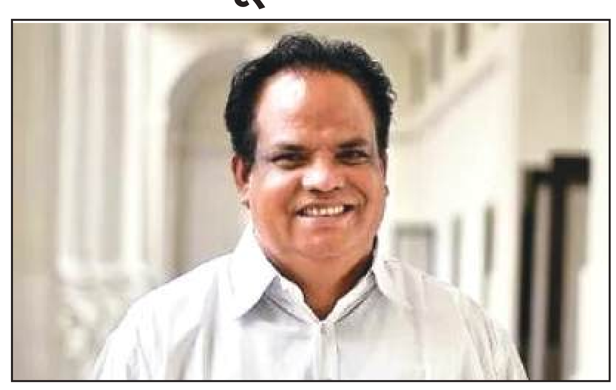

जलपाईगुड़ी : पूर्व केंद्रीय मंत्री जॉन बारला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के बाद राज्य अल्पसंख्यक आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया था, लेकिन पूरे चुनाव अभियान में उनकी 'निष्क्रियता' अब सवालों के घेरे में है.बताया जा रहा है कि न तो वह ममता बनर्जी के कार्यक्रम में नजर आए और न ही अभिषेक बनर्जी की सभाओं में सक्रिय दिखे. इससे पार्टी के अंदर ही उनकी भूमिका को लेकर धुंधली स्थिति बन गई है.चौंकाने वाली बात यह भी है कि उनके अपने इलाके लक्ष्मीपाड़ा चाय बागान के सभी बूथों पर भाजपा को बढ़त मिली.सूत्रों के मुताबिक, चुनाव के बाद वह दिल्ली जाकर भाजपा के एक सांसद के साथ भी समय बिताते देखे गए.

राजनीतिक गलियारों में कयास लगाए जा रहे हैं कि यह घटनाक्रम किसी नए राजनीतिक समीकरण की ओर इशारा कर सकता है.जॉन बारला ने कहा कि वह चाय बागान के मजदूरों के लिए काम करते रहेंगे. तृणमूल नेतृत्व ने भी संकेत दिया है कि चुनाव में नेताओं की भूमिका की समीक्षा की जाएगी.

बारला ने यह भी स्वीकार किया कि भाजपा नेता बिमल गुरूंग के साथ उनकी दोस्ती अब भी कायम है, जिससे सियासी अटकलें और तेज हो गई है.

चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं पर सिटिज़न्स फॉर जस्टिस कोलकाता ने जताई चिंता

आसनसोल : पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद सामने आ रही हिंसक घटनाओं को लेकर सिटिज़न्स फॉर जस्टिस कोलकाता नामक संगठन ने गहरी चिंता व्यक्त की है. संगठन के सचिव रंजीत कुमार अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि चुनाव के बाद लगातार हो रही हिंसक घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक हैं. संगठन ने सभी प्रकार की हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए नागरिकों से इसके खिलाफ आवाज उठाने की अपील की है.

संगठन की ओर से कहा गया कि लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि चुनावी प्रक्रिया समाप्त होने के बाद प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा, अधिकार और सम्मान सुनिश्चित करना उसकी असली ताकत है.प्रेस विज्ञप्ति में प्रशासन से मांग की गई है कि हिंसा की घटनाओं में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाए. लोगों के बीच भरोसा बहाल करने, सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने और राज्य में कानून-व्यवस्था मजबूत करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपील भी की गई है.संगठन ने कहा कि अपनी बौद्धिक परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सौहार्द के लिए जाना जाता है. ऐसे संकट के समय चुप रहना तटस्थता नहीं माना जा सकता. अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण और सामूहिक तरीके से आवाज उठाना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है.

भाजपा सदस्य ने बेलदा पंचायत में पहली बार किया प्रवेश, तृणमूल पर लगाए गंभीर आरोप

बेलदा : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के बेलदा क्षेत्र में राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के विजयी पंचायत सदस्य ने ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रवेश किया. भाजपा के पंचायत सदस्य गौरी शंकर अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस पर कई गंभीर आरोप लगाए.मिली जानकारी के अनुसार, बेलदा के देउली क्षेत्र के 128 और 129 नंबर बूथ से विजयी भाजपा पंचायत सदस्य गौरी शंकर अधिकारी और सदस्य आशालता लंबे समय तक ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रवेश नहीं कर सके थे. उनका आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक बाधाओं के कारण उन्हें अपने अधिकारों का प्रयोग करने से रोका गया.राज्य में राजनीतिक बदलाव के बाद गुरुवार को नारायणगढ़ ब्लॉक के भाजपा नेता तथा पंचायत सदस्य गौरी शंकर अधिकारी पहली बार बेलदा-दो ग्राम पंचायत कार्यालय पहुंचे. इस दौरान उन्होंने कहा कि 2018 और 2023 में जनता ने उन्हें चुना, लेकिन तृणमूल ने जनादेश का सम्मान नहीं किया.उन्होंने आरोप लगाया कि 2023 के पंचायत चुनाव के बाद तृणमूल ने कई पंचायत सदस्यों को जबरन अपने दल में शामिल कराया. हालांकि, उन्होंने और उनकी सहयोगी सदस्य आशालता ने संघर्ष जारी रखा.

उन्होंने छह महीने पहले ही घोषणा की थी कि राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद ही वे पंचायत में प्रवेश करेंगे. अब उनका लक्ष्य बेलदा क्षेत्र के लोगों को सही और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना है.उन्होंने यह भी दावा किया कि बेलदा-दो ग्राम पंचायत में उन सदस्यों के साथ मिलकर काम किया जाएगा

जिनकी छवि साफ है और जिन्हें 2023 के पंचायत चुनाव में जबरन हराया गया था.स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि नई परिस्थिति में पंचायत से बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी.

बड़े पैमाने पर विस्फोटक बरामद, पकड़ा गया आरोपित

उत्तर दिनाजपुर: जिले के चोपड़ा ब्लॉक के कालागछ इलाके में गुरुवार को एक घर से भारी मात्रा में बम और बम बनाने का सामान बरामद किया है, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई है. घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इलाके को घेर लिया और बम निष्क्रिय करने के लिए सीआईडी बम स्क्वॉड और दमकल विभाग को बुलाया गया. इस मामले में पुलिस ने आरोपित को पुलिस ने श्रीवास मंडल नाम के व्यक्ति को पकड़ा है.सूत्रों के अनुसार, बुधवार को आरोपित को एक भाजपा नेता की पिटाई के मामले में स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था. इस दौरान उसके बैग से बम मिले थे. आरोपित से पूछताछ के बाद पुलिस ने उनके घर पर छापा मारा, जहां से बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री मिली.स्थानीय लोगों का दावा है कि आरोपित का आपराधिक अतीत रहा है और वह पहले एक पुलिसकर्मी की हत्या के मामले में जेल जा चुका था. हालांकि, वह बढ़ई (कारपेंटर) का काम करता था.अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इतने बड़े पैमाने पर विस्फोटक जमा करने के पीछे कोई बड़ी साजिश थी या नहीं.

न्यूज कॉर्नर

धारदार हथियार से युवक की हत्या

मालदा : जिले से एक दिल दहलाने वाली घटना गुरुवार को सामने आई है. पुरानी दुश्मनी के चलते एक युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई. मृतक का नाम किशन हलदार (28) है, जो इंग्लिश बाजार के गादुआर मोड़ हलदारपाड़ा इलाके का निवासी था.घटना महेशपुर बागानपाड़ा में बुधवार देर रात हुई. इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है.स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, इलाके के गोलाम हलदार के साथ किशन की पुरानी दुश्मनी थी.आरोप है कि इसी रंजिश के चलते गोलाम हलदार, शिबेन हलदार, सुमन हलदार समेत कुछ लोगों ने मिलकर उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया.गंभीर रूप से घायल अवस्था में उसे मालदा मेडिकल कॉलेज व अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस हमले में दो अन्य लोग भी घायल बताए जा रहे है.पुलिस ने घटनास्थल से रक्तरंजित एक हथियार बरामद किया है और मामले की जांच जारी है. पुरानी दुश्मनी को इस हत्या की मुख्य वजह माना जा रहा है.

मुर्शिदाबाद में तृणमूल नेता के घर पर बमबारी का आरोप, मामला दर्ज

आसनसोल : पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद जारी राजनीतिक तनाव के बीच मुर्शिदाबाद जिले से एक बार फिर हिंसा की बड़ी खबर सामने आई है. जिले के कांदी थाना क्षेत्र के पुरंदरपुर गांव में कांदी ब्लॉक युवा तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष उस्मान गनी के घर को निशाना बनाकर देर रात बम फेंके गए. घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और तनाव का माहौल बन गया.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अज्ञात बदमाशों ने उस्मान गनी के घर की छत को लक्ष्य बनाकर लगातार दो बम फेंके. धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए. हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन बमबाजी से इलाके में भारी दहशत फैल गई.घटना की जानकारी मिलते ही कांदी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगालने शुरू कर दिए हैं ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके.इस मामले में युवा तृणमूल नेता उस्मान गनी की ओर से कांदी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है. उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद इलाके में लगातार राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है और विरोधी तत्व डर का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं.पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है. सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है. फिलहाल इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके.

चंद्रनाथ हत्याकांड : इस्तेमाल बाइक का रजिस्ट्रेशन आसनसोल के बर्नपुर का

आसनसोल : पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या में नया खुलासा हुआ है. चंद्रनाथ की हत्या में उपयोग की गई बाइक का रजिस्ट्रेशन पश्चिम बर्दवान जिले के बर्नपुर इलाके का निकला है.

जांच में सामने आया कि बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर WB44D1990 है. उपलब्ध रजिस्ट्रेशन विवरण के अनुसार बाइक के मालिक का नाम विभाष कुमार भट्टाचार्य बताया गया है. बाइक का रजिस्ट्रेशन पश्चिम बर्दवान आरटीओ में 4 मई, 2012 को हुआ था और इसकी वैधता 2 मई, 2027 तक है. रजिस्ट्रेशन में दर्ज पता - क्वार्टर नंबर -AB 7/12, गुरुद्वारा रोड, बर्नपुर, थाना/लैंडमार्क हीरापुर, बर्नपुर, पश्चिम बंगाल दिया गया है. गुरुवार को जब इस पते की जांच की गई तो पता चला कि वहां विभाष कुमार भट्टाचार्य नाम का कोई व्यक्ति नहीं रहता. वर्तमान में उस क्वार्टर में बर्नपुर इस्को कारखाने के कर्मचारी धरमवीर कुमार अपने परिवार के साथ रह रहे हैं.

धरमवीर कुमार ने बताया कि वे वर्ष 2014 से वहां रह रहे हैं और विभाष नाम के किसी व्यक्ति को नहीं जानते. उन्होंने यह भी कहा कि जिस बाइक का नंबर सामने आया है, वह वहां मौजूद नहीं है. उनके पास जो बाइक है उसका रजिस्ट्रेशन नंबर अलग है.इस खुलासे के बाद गुरुद्वारा रोड स्थित एबी टाइप क्वार्टर के निवासी भी हैरान हैं

. प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि हत्या में इस्तेमाल बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर फर्जी हो सकता है.

आसनसोल नगर निगम में बदलाव के संकेत, जितेंद्र तिवारी के बयान से तेज हुई सियासी चर्चा

आसनसोल : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद अब जिलों की राजनीति में तेजी से नए समीकरण बनते दिखाई दे रहे हैं. 207 सीटों के प्रचंड बहुमत के बाद भाजपा नेताओं के घरों पर समर्थकों, स्थानीय लोगों और यहां तक कि विरोधी दलों के नेताओं का पहुंचना लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है. इस बीच पांडेश्वर से नव निर्वाचित भाजपा विधायक और आसनसोल नगर निगम के पूर्व मेयर जितेंद्र तिवारी का एक बयान गुरुवार को पूरे जिले में सियासी चर्चा का केंद्र बन गया है. उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि मैं जिस झंडे पर विश्वास करता हूं और जिस झंडे को लेकर काम करता हूं, वही झंडा जल्द नगर निगम में जाएगा.उनके इस बयान को आसनसोल नगर निगम में बड़े राजनीतिक बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है.गुरुवार को आसनसोल स्थित जितेंद्र तिवारी के आवास पर सुबह से ही समर्थकों, भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की भीड़ लगी रही. लोग फूल-माला, मिठाई और गुलदस्ते लेकर पहुंचे और उन्हें चुनावी जीत की बधाई दी.लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा उस समय शुरू हुई जब आसनसोल नगर निगम के वार्ड नंबर 19 की तृणमूल पार्षद उषा रजक अपने पति के साथ जितेंद्र तिवारी के घर पहुंचीं. उन्होंने विधायक को जीत की शुभकामनाएं दीं और कुछ देर बातचीत भी की.इस मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए. मीडिया से बातचीत के दौरान जितेंद्र तिवारी ने कहा कि जब उन्होंने आसनसोल नगर निगम छोड़ा था, उसी समय उन्होंने संकेत दिया था कि वह दोबारा वापसी करेंगे.उन्होंने कहा कि नगर निगम में बदलाव तय है. आने वाले समय में वहां झंडे का परिवर्तन होगा. मेयर कोई भी बने, लेकिन बोर्ड भाजपा का होगा.

उनके इस बयान को भाजपा की नगर निगम पर नजर और संगठनात्मक आत्मविश्वास के रूप में देखा जा रहा है.राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विधानसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के बाद जिले में राजनीतिक माहौल तेजी से बदल रहा है. कई स्थानीय नेता और जनप्रतिनिधि अब भाजपा नेतृत्व के साथ संपर्क बढ़ाते नजर आ रहे हैं.

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आने वाले समय में नगर निगम में भी राजनीतिक समीकरण बदले, तो आसनसोल की राजनीति में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिल सकता है.

जितेंद्र तिवारी का झंडा बदलने वाला बयान अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. भाजपा समर्थक इसे परिवर्तन की शुरुआत बता रहे हैं, जबकि विपक्षी दल इसे राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति कह रहे हैं.

शुभेंदु के सहयोगी की हत्या बंगाल में कानून व्यवस्था के पूर्ण पतन को दर्शाती हैं: भाजपा

कोलकाताः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या को पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था के 'पूर्ण पतन' का सबूत बताया. राज्य में तृणमूल कांग्रेस ने 15 वर्षों तक शासन किया था. भाजपा ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी पर हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में सत्ता खोने के बाद 'अराजकता' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया. राज्य में भाजपा की पहली सरकार के शपथ ग्रहण से कुछ दिन पहले हुए इस हत्याकांड की सभी पार्टियों ने निंदा की जबकि तृणमूल कांग्रेस ने आरोपों को खारिज करते हुए भाजपा पर घटना का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया. भाजपा के एक नेता ने कहा, शुभेंदु अधिकारी से घनिष्ठ रूप से जुड़े एक व्यक्ति को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया गया. यह दर्शाता है कि ममता बनर्जी सरकार के शासन में कानून-व्यवस्था कितनी बिगड़ गई थी. तृणमूल को बंगाल की जनता ने सत्ता से बेदखल कर दिया है. भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि राज्य चुनावों में जीत के बाद भी पार्टी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संयम बरतने का आग्रह किया. भट्टाचार्य ने कहा, चुनाव जीतने वाले हम ही हैं, लेकिन मरने वाले भी हम ही हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में होने पर स्थिति कहीं अधिक खराब होती. भट्टाचार्य ने कहा, अगर तृणमूल विजयी होती, तो अब तक वे संभवतः 200 से अधिक हत्याएं कर चुके होते. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा राज्य में शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाती है. भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा, मैं पूरे भाजपा परिवार से अपील करता हूं कि इस पर रोक लगाएं. हिंसा की शुरुआत चाहे जो भी करे, आपको शांत रहना चाहिए. पश्चिम बंगाल की जनता ने हमें शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी है. वहीं शुभेंदु ने इसे सुनियोजित हत्या बताया और आरोप लगाया कि हत्यारों ने उत्तर 24 परगना जिले में हमले को अंजाम देने से पहले रेकी की थी. तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए भाजपा पर जांच शुरू होने से पहले ही घटना का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया. तृणमूल के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से टीएमसी का कोई लेना-देना नहीं है. पुलिस पेशेवर तरीके से मामले की जांच कर रही है. भाजपा को निराधार आरोप लगाने से बचना चाहिए. हमने पहले ही इस हत्या मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग कर दी है. कांग्रेस ने रथ की हत्या के मामले की पारदर्शी तरीके से जांच की मांग की और भाजपा और टीएमसी, दोनों की आलोचना करते हुए कहा कि वे 'हर त्रासदी को राजनीतिक लड़ाई में बदल देते हैं. कांग्रेस की राज्य इकाई के एक नेता ने कहा, ध्यान हत्यारों की गिरफ्तारी और न्याय सुनिश्चित करने पर रहना चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ उठाने पर.

माकपा ने शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी की हत्या की निंदा की, विस्तृत जांच की मांग की

कोलकाताः मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या की गुरुवार को कड़ी निंदा की और घटना की विस्तृत जांच की मांग की. माकपा की पश्चिम बंगाल इकाई के सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा कि इस भयानक और जघन्य अपराध की जांच शनिवार को शपथ लेने वाली नयी भाजपा सरकार के लिए एक अग्निपरीक्षा होगी. उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद भी राज्य में अपराध का सिलसिला जारी है. सलीम ने कहा, हम इस हत्या की कड़ी निंदा करते हैं. इस अपराध के पीछे की सच्चाई का पता केवल विस्तृत और उचित जांच से ही चल सकता है. उन्होंने कहा कि जिस तरह से रथ की हत्या की गई है, उससे स्पष्ट होता है कि यह सुनियोजित, निर्मम और पेशेवर तरीके से अंजाम दी गई हत्या थी. उन्होंने कहा, चुनाव के बाद लोग शांति और कानून व्यवस्था की बहाली के साथ-साथ सौहार्द चाहते हैं. उन्होंने कहा, 'चुनाव के बाद राज्य में चार हत्याएं हो चुकी हैं और पश्चिम बंगाल में ऐसी घटनाएं तुरंत रुकनी चाहिए.

सांसद महुआ मोइत्रा को देखकर लोगों ने लगाए चोर-चोर के नारे!

चलती फ्लाइट में मच गया बवाल

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने विमान यात्रा के दौरान अपने साथ कथित दुर्व्यवहार और सुरक्षा उल्लंघन का आरोप लगाया है. महुआ मोइत्रा ने दावा किया कि दिल्ली आने वाली इंडिगो फ्लाइट में कुछ लोगों ने उन्हें घेरकर नारेबाजी की और उनका वीडियो बनाया. कृष्णानगर से सांसद महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना की जानकारी साझा करते हुए बताया कि वह सरकारी कार्य से दिल्ली जा रही थीं, जहां उन्हें रक्षा मामलों की संसद की स्थायी समिति की बैठक में शामिल होना था. उन्होंने कहा कि वह इंडिगो की फ्लाइट 6ए-719 में सीट नंबर 1ऋपर बैठी थीं. इसी दौरान 4 से 6 लोगों का एक समूह विमान में चढ़ा और उन्हें घूरने के बाद फ्लाइट के पिछले हिस्से में चला गया. महुआ मोइत्रा के मुताबिक, विमान के दिल्ली में उतरने और दरवाजे खुलने से ठीक पहले उक्त समूह ने हंगामा शुरू कर दिया. इस दौरान कुछ लोग कथित तौर पर टीएमसी चोर, भाइपो चोर, पिसी चोर और जय श्री राम के नारे लगाते हुए दिखाई दिए. सांसद ने आरोप लगाया कि यह पूरी घटना सुनियोजित थी और इसका वीडियो भी बनाया गया. टीएमसी सांसद ने कहा कि यह नागरिकों का गुस्सा नहीं बल्कि उत्पीड़न और उनकी सुरक्षा का उल्लंघन है. उन्होंने मामले में एयरलाइन कंपनी इंडिगो और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से कार्रवाई की मांग की है. महुआ ने संबंधित लोगों की पहचान कर उन्हें नो-फ्लाई लिस्ट में डालने की मांग भी उठाई है. महुआ मोइत्रा द्वारा साझा किया गया करीब 30 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में कुछ लोग टीएमसी विरोधी नारे लगाते सुनाई दे रहे हैं. गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी नेताओं को कई मौकों पर विरोध का सामना करना पड़ा है. विधानसभा चुनाव के बाद भी पार्टी नेताओं के खिलाफ विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन की घटनाएं सामने आती रही हैं..

यह हत्या भवानीपुर में ममता की हार का बदला है : चंद्रनाथ रथ की मां ने कहा

कोलकाताः विधानसभा चुनाव परिणाम आने के महज 48 घंटे बाद अपने बेटे की मौत से स्तब्ध चंद्रनाथ रथ की मां ने बृहस्पतिवार को दोषियों को उम्रकैद की सजा देने की मांग की और दावा किया कि यह हत्या भवानीपुर में शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ ममता बनर्जी की हार का बदला है. रथ की मां ने टीवी चैनलों से कहा, एक मां होने के नाते मैं किसी के लिए मौत की सजा नहीं मांग सकती. लेकिन मैं दोषियों के लिए उम्रकैद की मांग करूंगी. शोकाकुल मां ने दावा किया कि यह हत्या भवानीपुर में ममता बनर्जी की हार का बदला है. उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि जब शुभेंदु अधिकारी शांतिपूर्ण मतदान की अपील कर रहे थे, तब तृणमूल सार्वजनिक रूप से कह रही थी कि चार मई के नतीजों के बाद ''दिल्ली का कोई नेता भाजपा कार्यकर्ताओं को नहीं बचा पाएगा. उन्होंने आरोप लगाया, उन्होंने (तृणमूल नेताओं ने) अपनी बात सच साबित कर दी. उन्होंने कहा कि उनके बेटे को नंदीग्राम और भवानीपुर चुनावों की विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई थी. रथ की मां ने स्थानीय टीवी चैनलों से बातचीत में आरोप लगाया, अगर उसकी मौत किसी दुर्घटना में होती तो मुझे इतना दुख नहीं होता. उसे नंदीग्राम और भवानीपुर चुनावों की जिम्मेदारी दी गयी थी और इसी वजह से उसे निशाना बनाया गया.

लिएंडर पेस ने पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु के सहयोगी की हत्या पर दुख जताया

कोलकाताः टेनिस खिलाड़ी और भाजपा नेता लिएंडर पेस ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल के मध्यमग्राम में शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या पर दुख जताते हुये कहा कि विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में गुंडागर्दी की घटनाएं हो रही हैं. पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद से बना तनावपूर्ण माहौल बुधवार रात उस समय हिंसक हो गया, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की उत्तर 24 परगना जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई. इस घटना के बाद भारी आक्रोश और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं. पेस ने पत्रकारों से कहा, कल जो हुआ उससे मैं स्तब्ध और दुखी हूं. दुर्भाग्यवश, पिछले 15 वर्षों में पश्चिम बंगाल में जो कुछ हो रहा है, वह उचित नहीं है. राज्य में 2011 से तृणमूल कांग्रेस की सरकार थी, जबकि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने भारी जीत दर्ज की.

मैंने रथ से आखिरी बातचीत में पहले कराहने और फिर गोलियों की आवाज सुनी : भाजपा विधायक घोष

कोलकाताः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक शंकर घोष ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना जिले के मध्यग्राम के पास शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या से कुछ देर पहले फोन पर हुई बातचीत में उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी थी. घोष ने मध्यग्राम में एक निजी अस्पताल में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं. विधानसभा में चंद्रनाथ हमारे सभी विधायकों के बहुत करीबी थे. वे शुभेंदु दा के भरोसेमंद सहयोगी थे. मुझे और कुछ नहीं कहना है. भाजपा विधायक ने दावा किया कि वह बुधवार रात करीब 10 बजे उल्टाडांगा से लौटते समय रथ से फोन पर बात कर रहे थे. उन्होंने बताया कि हम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पश्चिम बंगाल यात्रा और शनिवार को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होने वाले शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भी संभावित तौर पर उपस्थित होने को लेकर चर्चा कर रहे थे. सिलीगुड़ी से दूसरी विधायक चुने गए घोष ने बताया, अचानक उनकी आवाज बदल गई. मुझे कुछ कराहने की आवाजें सुनाई दीं और फिर गोलियां चलने जैसी आवाजें सुनाई दीं. उसके बाद सन्नाटा छा गया. विधायक ने कहा कि उन्होंने रथ को बार-बार फोन किया लेकिन दूसरी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला. घोष ने कहा, मैंने उन्हें संदेश भेजकर पूछा, क्या आप ठीक हैं? लेकिन कोई जवाब नहीं आया. जब मैंने दोबारा फोन किया तो एक अज्ञात व्यक्ति ने जवाब दिया और मुझे बताया कि चंद्रनाथ को गोली मार दी गई है. उन्होंने बताया कि शुभेंदु अधिकारी को घटना की जानकारी देने के बाद, वह तत्काल उस निजी अस्पताल की ओर रवाना हुए जहां रथ को ले जाया गया था. भाजपा ने इस हत्या को सुनियोजित करार दिया है. पूर्वी मेदिनीपुर जिले के चांदीपुर निवासी रथ को शुभेंदु अधिकारी का सबसे करीबी सहयोगी माना जाता था. उनकी बुधवार रात अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी.

बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण के लिए ब्रिगेड परेड ग्राउंड में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

कोलकाताः कोलकाता स्थित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए करीब 4,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ बहुस्तरीय सुरक्षा का इंतजाम किया जाएगा. एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह नौ मई को यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा राज्य पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए 900 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैले इस मैदान को प्रभावी भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए लगभग 30 सेक्टरों में विभाजित किया गया है. उन्होंने बताया कि ब्रिगेड परेड ग्राउंड और आसपास के इलाकों में करीब 4,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी. प्रत्येक सेक्टर की निगरानी पुलिस उपायुक्त या सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी करेंगे. अधिकारी ने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की भी तैनाती की जा सकती है. कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार में वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक कर इस कार्यक्रम की सुरक्षा रूपरेखा को अंतिम रूप दिया. समारोह में भारी भीड़ जुटने की संभावना है. प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे, जबकि पूरे स्थल की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी. अधिकारी ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम कर रहे हैं कि मैदान के भीतर कोई प्रतिबंधित या खतरनाक वस्तु न लाई जा सके. आसपास की इमारतों की छतों से भी निगरानी की जाएगी. पुलिस ने बताया कि यातायात जाम से बचने के लिए शनिवार को इलाके में यातायात प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं और मार्ग परिवर्तन भी किया जा सकता है.

भाजपा कार्यकर्ता को गोली मारने के मामले में एक गिरफ्तार, घटना का पुनर्निर्माण

कोलकाताः उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट थाना क्षेत्र के गोदाउन पाड़ा इलाके में भाजपा कार्यकर्ता रोहित राय को गोली मारने की घटना में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है. आरोपित की पहचान जाहीनुर गाजी के रूप में हुई है. गुरुवार को पुलिस उसे लेकर घटनास्थल पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम का पुनर्निर्माण कराया. मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार रात गोदाउन पाड़ा इलाके में भाजपा कार्यकर्ता रोहित राय पर अचानक गोली चलाई गई थी. गोली लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. गंभीर रूप से घायल रोहित राय को पहले बशीरहाट जिला अस्पताल ले जाया गया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया गया. फिलहाल वहीं उनका इलाज चल रहा है. बशीरहाट थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और इलाके में लगातार छापेमारी अभियान चलाया.

शुभेंदु के सहयोगी की हत्या की निंदा करता हूं, बंगाल में कार्यकर्ताओं पर अत्याचार हो रहा: दिलीप

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के खड़गपुर से नवनिर्वाचित विधायक दिलीप घोष ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या की गुरुवार को कड़ी निंदा की और आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में पार्टी की चुनावी जीत के बावजूद कार्यकर्ताओं को अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है. भाजपा की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष घोष ने कहा कि हिंसा की घटनाओं को तुरंत रोका जाना चाहिए. उन्होंने कहा, भाजपा सत्ता में आ गई है लेकिन सत्ता अभी हमारे हाथों में नहीं आई है. शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक पर हमला हुआ. हिंसा की इन घटनाओं को रोका जाना चाहिए. भारतीय वायु सेना के पूर्व जवान और शुभेंदु के लंबे समय से सहयोगी रहे चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात उत्तरी 24 परगना जिले में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी. घोष ने पुलिस से असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और पार्टी कार्यकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया. उन्होंने कहा, पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए. असामाजिक तत्वों को जेल भेजा जाना चाहिए. घोष ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर चल रही आंतरिक कलह जमीनी स्तर पर अशांति का कारण बन रही है. उन्होंने दावा किया, लड़ाई तृणमूल गुटों के बीच हो रही है और भाजपा कार्यकर्ताओं पर अत्याचार किया जा रहा है. पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी और बताया कि सीसीटीवी फुटेज व अन्य सबूतों की जांच कर अपराध में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है.

बंगाल में गांधीगिरी नहीं योगी मॉडल जरुरी हैः रचना सिंह

कोलकाताः भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या पर पूरा बंगाल उबल रहा है. हर ओर घटना कि निंदा हो रही है. पोर्ट अचंल में भाजपा नेत्री रचना सिंह ने कहा कि, बंगाल में गांधीगिरी नहीं योगी मॉडल जरुरी है. हत्यारे व वारदात के पीछे रहने वाले पताल से खोजकर भी निकाले जाएगें और फिर उन्हें उनके अंजाम तक पहुंचाया जाएगा. जहां तक महिला सुरक्षा का सवाल है तो सुबह हो या फिर शाम, रात हो या दिन बंगाल में कोई भी महिला कहीं भी आने को स्वतंत्र होगी और उनका अहित नहीं कर सकेगा. जहां तब बात उन तृणमूलियों, या फिर अराजकतत्वों की है जो 4 तारीख की दोपहर को जिन्होंने बाजार से भगवा अबीर खरीदकर अपने को उसमे लपेट लिया तो उन्हें हमारे प्रदेश के मुखिया समिक भट्टाचार्य के इस बयान को याद रखना होकर कि, ऐसे लोगों के लिए भाजपा में कोई जगह नहीं है. भाजपा नेत्री रचना सिंह ने कहा कि, बंगाल में एक ऐसा नया सवेरा हुआ है जो यहा समग्र विकास के रास्ते खोलेगा.

बंगाल चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद अखिलेश ने कोलकाता में ममता से मुलाकात की

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कोलकाता में पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी से मुलाकात कर उनके प्रति एकजुटता व्यक्त की. तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने ममता के कालीघाट स्थित आवास पर अखिलेश का स्वागत किया. यह बैठक सियासी लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद विपक्षी दल अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार कर रहे हैं.

ममता ने पश्चिम बंगाल चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) को मजबूत करने का संकल्प लिया है. बताया जा रहा है कि ममता से मुलाकात में अखिलेश ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ विपक्षी एकता के लिए अपने समर्थन को दोहराया. भाजपा ने 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा की 207 सीट जीतकर सदन में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया, जिससे राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत हो गया. तृणमूल कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में महज 80 सीट से संतोष करना पड़ा.

बंगाल में 'भगवा' लहर: नवान्न के बाद अब 'नगर निगम' पर कब्जे की तैयारी, तृणमूल में खलबली

कोलकाताः बंगाल की सत्ता संरचना में ऐतिहासिक बदलाव के बाद अब सबकी नजरें राज्य की राजधानी कोलकाता और उसके 'नगर निकाय' पर टिकी हैं. भाजपा की 'लुक ईस्ट' नीति की सफलता ने तृणमूल कांग्रेस के सबसे मजबूत दुर्ग 'छोटा लालबाड़ी' (कोलकाता नगर निगम) की नींव हिला दी है. विधानसभा चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया है कि जिस कोलकाता को तृणमूल अपना अभेद्य किला मानती थी, वहां अब कमल खिलने की तैयारी पूरी हो चुकी है. आंकड़ों के अनुसार, कोलकाता नगर निगम के 144 वार्डों में से भाजपा ने 101 वार्डों में भारी बढ़त हासिल की है, जबकि तृणमूल महज 43 वार्डों तक सिमट गई है. आगामी दिसंबर में होने वाले निगम चुनावों को लेकर अभी से राज्य की राजनीति गरमा गई है. तृणमूल के भीतर गहरा असंतोष और हार का डर साफ दिखाई दे रहा है. पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि सत्ता परिवर्तन के बाद अब कोलकाता नगर निगम को बचा पाना लगभग असंभव है. कसबा, तिलजला और राजाबाजार जैसे अल्पसंख्यक बहुल इलाकों को छोड़कर पार्टी के पास कोई सुरक्षित गलियारा नहीं बचा है. स्थानीय पार्षदों के खिलाफ जनता का आक्रोश और भ्रष्टाचार के आरोपों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है. पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि स्थानीय स्तर पर हुए बेतहाशा भ्रष्टाचार और 'सिंडिकेट राज' ने शहरी मतदाताओं को पूरी तरह नाराज कर दिया है. पिछले 15 वर्षों में जिस तरह से जलाशयों को भरकर अवैध निर्माण किए गए, उसने मध्यमवर्गीय समाज में गहरा रोष पैदा किया. अब राज्य में सत्ता बदलते ही इन स्थानीय नेताओं को अपनी सुरक्षा और अस्तित्व की चिंता सताने लगी है. नई सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही कोलकाता सहित राज्य के अन्य निगमों- विधाननगर, हावड़ा, आसनसोल और सिलीगुड़ी- में भी बड़े राजनीतिक फेरबदल की सुगबुगाहट तेज होने की बातें कही जा रही हैं.

शुभेंदु के सहयोगी की हत्या के विरोध में भाजपा समर्थकों ने सालबोनी में सड़क जाम की

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सालबोनी में सड़क जाम कर दी. रथ की मध्यमग्राम में कुछ अज्ञात हमलावरों ने बुधवार रात गोली मारकर हत्या कर दी थी. पुलिस के मुताबिक, गुरुवार को मध्यमग्राम में तनाव के बावजूद स्थिति शांतिपूर्ण रही, जहां भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक रथ के आवास के बाहर जमा हो गए और उनकी हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा देने की मांग करते हुए नारे लगाए. पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मौके पर मौजूद थे, जबकि पुलिस और केंद्रीय बलों ने अत्यधिक सतर्कता बनाए रखी. पश्चिम मेदिनीपुर के सालबोनी में भाजपा के लगभग 200 कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जलते हुए टायर के साथ एक मुख्य सड़क को अवरुद्ध कर दिया. उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर नयी सरकार के शपथ ग्रहण से पहले रथ की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए नारे लगाए. बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को लगभग 30 मिनट तक अवरुद्ध की गई सड़क को खोलने के लिए राजी कर लिया. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने बुधवार रात करीब 10:30 बजे रथ के वाहन का पीछा करते हुए उन्हें मध्यमग्राम में डोलतला के पास रोका और उन पर गोलीबारी करने के बाद भाग गए. चश्मदीदों ने दावा किया कि रथ की एसयूवी को पहले दोहरिया जंक्शन के पास एक छोटे चार पहिया वाहन ने रोका, जिसके बाद मोटरसाइकिल सवार हमलावर एसयूवी के पास गया और रथ पर करीब से गोली चलाई. उन्होंने बताया कि चार पहिया वाहन में सवार लोग वाहन छोड़कर मोटरसाइकिल पर सवार होकर भाग गए. शुभेंदु के कार्यकारी सहायक के रूप में कार्यरत रथ पर हमला उस समय हुआ, जब वह मध्यमग्राम स्थित अपने आवास लौट रहे थे. हालांकि, शुभेंदु ने हमले के लिए किसी भी संगठन को सीधे तौर पर कसूरवार ठहराने से परहेज किया और पार्टी कार्यकर्ताओं से पुलिस तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर भरोसा रखने की अपील की.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना

युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है (साइज 12x8)

सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 06.05.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइज़र स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: निविदा सं.: टीएन-17-26-27, कार्य का नाम: सहायक अभियंता/बालीगंज के अधीन पातिपुकुर-कोलकाता के बीच पीक्यूआरएस द्वारा सीटीआर(पी) [1.165-1.422, 1.841-2.442, 0.000-1.020 =02.05 टीकेएम] और सर्कुलर रेलवे में टीआरआर(पी) [2.442-2.67, 3.138-3.353, 3.389- 3.565, 3.92-4.291, 5.00-5.223, 5.274-5.774, 5.774-6.00, 6.115-7.115, 7.115-8.651=4.539 टीकेएम कार्य एवं ट्रैक नवीनीकरण के प्रावधान द्वारा कोलकाता यार्ड का सुधार और साथ ही डायमंड क्रॉसिंग का नवीनीकरण एवं अन्य सहायक कार्य। निविदा मूल्य : रु.2,43,01,283.92, बयाना राशि : रु. 4,86,000/-, निविदा की अंतिम तिथि और समय: दिनांक 02.06.2026 को 15.00 बजे। कार्य की समापन अवधि: 12 (बारह) माह। 1. निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव को तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। 2. भारतीय रेलवे मानक अनुबंध 2022 की सामान्य शर्तों के अनुसार ई-निविदा प्रपत्र की लागत शून्य है। 3. निविदा के खुलने की तिथि और समय दिनांक 02.06.2026 को 15.30 बजे है।

SDAH-31/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | शुक्रवार | 8 मई, 2026

चेतावनी के धमाके

गाहे-बगाहे पंजाब में शांति भंग करने के अनेक कुत्सित प्रयास होते नजर आए हैं. सीमा पार से पंजाब का सुख-चैन छीनने के षड्यंत्र काले दौर से लेकर अब तक रुके नहीं हैं. नशे और बेरोजगारी को हथियार बनाकर भटके युवाओं को इन साजिशों का हथियार बनाने के मामले भी उजागर हुए हैं. पंजाब में हाल ही में दो धमाके हुए, पहला जालंधर में बीएसएफ चौकी के बाहर और दूसरा अमृतसर में सेना की छावनी के पास हुआ. सेना और सुरक्षा बलों को लक्षित इन हमलों के घातक मंसूबों को समझा जा सकता है. वहीं दूसरी ओर समय और लक्ष्य के लिहाज से इतने करीबी हमलों के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है कि ये महज सामान्य मामले नहीं थे. अब भले ही इन धमाकों की तीव्रता कम रही हो,लेकिन इनमें गंभीर रणनीतिक चेतावनी छिपी है. वह ये कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों की हिफाजत को आंका जा रहा है. वहीं दूसरी ओर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा सैन्य क्षेत्र के पास हुए धमाकों में विस्फोटक उपकरण यानी आईडीपी के इस्तेमाल की पुष्टि करना, खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है. निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं. ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है. अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षड्यंत्र हो, मगर तौर-तरीका स्पष्ट है. हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं. मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका दोष भाजपा पर मढ़ा है. वहीं भाजपा आप सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह राज्य को सुरक्षा देने में विफल रही है. बहरहाल, भले ही आरोप-प्रत्यारोप का यह खेल नेताओं को राजनीतिक लाभ-हानि के गणित के अनुरूप लगता हो, मगर राज्य की सुरक्षा के नजरिये से अदूरदर्शी कदम ही कहा जाएगा. यह विडंबना ही है कि पंजाब के राजनेता अतीत के स्याह दौर की घातकता से कोई सबक नहीं सीखते हैं. राजनेताओं की संकीर्णता और दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज करके की गई बयानबाजी ही चिंगारी को आग बनाने का काम करती है. जिसकी कीमत दशकों तक पंजाब के लोगों व राज्य की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है. यह सामान्य तथ्य है कि कि जब भी इस संवेदनशील व सीमावर्ती राज्य पर कोई सुरक्षा संकट पैदा हो, उसके लिये राजनीतिक भेदभाव भुलाकर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है. टकराव की राजनीति से राज्य का अहित ही होगा. निस्संदेह, पंजाब का अतीत इस मामूली अशांति के प्रति भी विशेष रूप से संवेदनशील होने की जरूरत बताता है. दशकों तक पंजाब ने सुदृढ़ पुलिस व्यवस्था और खुफिया जानकारी पर आधारित अभियानों हेतु देशव्यापी ख्याति अर्जित की है. लेकिन हाल की घटनाओं ने हमारी सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाया ही है. यह गंभीर मसला है कि इस सीमावर्ती संवेदनशील राज्य में दस दिनों के भीतर तीन सुनियोजित व उच्च तकनीक से लैस विस्फोट हुए हैं. ये धमाके सभी पक्षों की मेहनत से अर्जित साख को धूमिल करने के जोखिम को बढ़ाते हैं. सवाल मात्र यही नहीं है कि इन धमाकों के लिये कौन जिम्मेदार है. प्रश्न यह भी है कि क्या इन धमाकों के बाबत खुफिया सूचनाओं को नजरअंदाज किया गया है? या फिर मिली हुई खुफिया सूचनाओं के आधार पर समन्वित प्रतिक्रिया देने में कहीं चूक हुई है? वास्तव में वक्त की सबसे बड़ी जरूरत इस बात को लेकर है कि हम ऐसी किसी भी चुनौती को लेकर एक समन्वित प्रतिक्रिया दें. केंद्र व राज्य सरकार की एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी का बेहतर ढंग से आदान-प्रदान किया जाए. वहीं दूसरी ओर सुरक्षा घेरे के दायरे का तत्काल प्रभाव से सुरक्षा ऑडिट किया जाए. इन साजिशों पर कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है. खासकर लगातार गहरी होती ड्रोन आधारित घुसपैठ के खतरों को रोकने के लिये युद्धस्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता है. ड्रोन आज अवैध हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी का साधन बन रहे हैं. जनता का मनोबल बढ़ाना जरूरी है, लेकिन सुरक्षा जोखिमों को कम न आंका जाए.

मूडीज नहीं, कई तथ्य हैं मोदी सरकार में भारत की आर्थिक मजबूती के

–डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दुनिया इस समय आर्थिक अस्थिरता, युद्धों, ऊर्जा संकट, महंगाई और वैश्विक व्यापारिक तनावों के दौर से गुजर रही है. कोविड महामारी के बाद अनेक विकसित और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएं अब भी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट सकी हैं. ऐसे समय में भारत का लगातार मजबूती के साथ आगे बढ़ना अपने आप में महत्वपूर्ण संकेत है. यही कारण है कि आज भारत को दुनिया की सबसे भरोसेमंद उभरती अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है. वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स की हालिया रिपोर्ट ने भी इस तथ्य की पुष्टि की है कि भारत ने हर बड़े वैश्विक आर्थिक झटके के बीच उल्लेखनीय स्थिरता दिखाई है. कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पैदा हुई महंगाई, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति, बैंकिंग संकट और हालिया वैश्विक शुल्क दबाव जैसे अनेक संकटों के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति संतुलित बनी रही. वस्तुतः भारत की आर्थिक मजबूती को केवल मूडीज की रिपोर्ट तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता. इसके पीछे अनेक ऐसे ठोस तथ्य हैं, जो यह बताते हैं कि बीते वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने मजबूत आधार तैयार किया है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आर्थिक नीतियों में जो स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टि दिखाई दी, उसी का परिणाम है कि आज भारत वैश्विक निवेशकों के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में शामिल हो चुका है. मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में भारत की मौद्रिक नीति की उसकी सबसे बड़ी ताकत बताया है. भारतीय रिजर्व बैंक ने महंगाई नियंत्रण और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है. दुनिया के अनेक देशों में महंगाई दोहरे अंक तक पहुंच गई, मगर भारत ने उसे नियंत्रित दायरे में बनाए रखा. निवेशकों का भरोसा इसी कारण लगातार बढ़ा है. भारत की दूसरी बड़ी ताकत उसका विशाल विदेशी मुद्रा भंडार है. यह भंडार आर्थिक सुरक्षा कवच है. वैश्विक बाजारों में अस्थिरता आने पर यही भंडार रुपये को स्थिर रखने और आयात जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है. अनेक देशों की मुद्राएं वैश्विक दबाव में तेजी से कमजोर हुईं, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत अधिक संतुलित बनी रही. वहीं, भारत की घरेलू मांग भी उसकी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरी है. देश की विशाल आबादी और बढ़ता मध्यम वर्ग आर्थिक गतिविधियों को गति देता है. यही कारण है कि वैश्विक मंदी के दौर में भी भारत में खपत बनी रही. हाउसिंग, वाहन, डिजिटल सेवाओं और उपभोक्ता वस्तुओं की मांग लगातार बढ़ती दिखाई दी. वित्त वर्ष 2025-26 के बैंकिंग आंकड़े इस मजबूती को और स्पष्ट करते हैं. 15.9 प्रतिशत की क्रेडिट ग्रोथ यह संकेत देती है कि उद्योग, व्यापार और उपभोक्ता क्षेत्र में गतिविधियां तेज से बढ़ रही हैं. कुल कर्ज 212.9 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचना आर्थिक विस्तार का बड़ा संकेत है. सेवा क्षेत्र में 19 प्रतिशत की क्रेडिट वृद्धि बताती है कि भारत का सर्विस सेक्टर लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है. सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाएं, पर्यटन, स्वास्थ्य और वित्तीय सेवाओं ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई गति दी है. उद्योग क्षेत्र में भी कर्ज वितरण लगभग दोगुना होकर 15 प्रतिशत तक पहुंचा है, जो विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार का संकेत देता है. विशेष रूप से माइक्रो और स्मॉल इंडस्ट्रीज में 33.1 प्रतिशत की वृद्धि यह दर्शाती है कि आर्थिक विकास अब केवल बड़े शहरों या कॉरपोरेट समूहों तक सीमित नहीं रहा. छोटे उद्योगों और स्थानीय उद्यमों को भी वित्तीय मजबूती मिल रही है. यही वास्तविक अर्थों में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ता कदम है. ग्रामीण अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भी उत्साहजनक है. कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में 15.7 प्रतिशत की क्रेडिट ग्रोथ बताती है कि गांवों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं. कृषि क्षेत्र में तकनीक, सिंचाई, खाद्य प्रसंस्करण और ग्रामीण आधारभूत संरचना पर ध्यान देने का सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है. टैक्स संग्रह के आंकड़े भी आर्थिक मजबूती का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं. प्रत्यक्ष कर संग्रह में 5.12 प्रतिशत की वृद्धि बताती है कि आर्थिक गतिविधियां विस्तार ले रही हैं और कर अनुपालन बेहतर हुआ है. कॉरपोरेट टैक्स में बढ़ोतरी कंपनियों की बेहतर आय और कारोबार विस्तार की ओर संकेत करती है. इसके साथ आज जो दिख रहा है, वह यह भी है कि देश में डिजिटल भुगतान और तकनीक आधारित प्रशासन ने कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाया गया है. व्यक्तिगत करदाताओं में 16.2 प्रतिशत की वृद्धि यह दिखाती है कि आम नागरिकों का आर्थिक विश्वास मजबूत हुआ है. लोग घर खरीद रहे हैं, वाहन ले रहे हैं और निवेश करने का साहस दिखा रहे हैं. यह किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है. वास्तव में भारत की आर्थिक मजबूती का सबसे बड़ा आधार नीतिगत स्थिरता है. पिछले वर्षों में आधारभूत संरचना निर्माण, डिजिटल इंडिया, डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण प्रोत्साहन, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, जीएसटी, बैंकिंग सुधार और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है. वस्तुतः आज भारत को केवल इसलिए ही दुनिया की अनेक शक्तिशाली संस्थाएं- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, एसएंडपी और फिच भी भारत की दीर्घकालिक संभावनाओं को सकारात्मक मान रही हैं. स्पष्ट है कि भारत की आर्थिक मजबूती किसी एक रिपोर्ट या एजेंसी के मूल्यांकन का परिणाम नहीं है. इसके पीछे मजबूत नीतियां, विशाल घरेलू बाजार, बढ़ता निवेश, बैंकिंग स्थिरता, डिजिटल क्रांति, विदेशी मुद्रा भंडार और जनविश्वास जैसे अनेक ठोस आधार मौजूद हैं. यही कारण है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भी भारत आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और विश्व की सबसे भरोसेमंद अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह लगातार मजबूत कर रहा है.

हर सत्ता अपना अंत स्वयं लिखती है

– विजय मनोहर तिवारी

पश्चिम बंगाल की राजनीति पाप का एक ऐसा घड़ा भर रही थी, जो कब का लबालब हो चुका था. उसे इतनी ही जोर से फूटना ही था. अब तक तीन ताकतें ही बंगाल में काबिज रहीं. पहले कांग्रेस, फिर कम्युनिस्ट और फिर टीएमसी. तीनों ही अलग नहीं हैं. तीसरी ताकत पहली से टूट कर ही बनी. पहली और दूसरी की यारी ईमान पर टिकी थी. ईमान का यह तत्व टीएमसी में जन्मजात था. ईमान को मजबूत बताने की होड़ तय करती थी कि घुसपैठियों के प्रति कौन कितना दयावान है. इन नतीजों ने देश के दूसरे हिस्सों में पहले ही दिवालिया हो चुके मजहबी वोटबैंक' की एक और मजबूत ब्रांच को उजाड़ दिया है. कम्युनिस्टों के लंबे कब्जे में आने के बाद कोलकाता धीरे-धीरे एक कबाड़खाना ही बन गया. नाजायज कब्जों और वसूली का ऐसा मॉडल शायद ही देश में कहीं हो. शानदार शोरूम वाले भीड़ भरे बाजारों के चौड़े फुटपाथ अतिक्रमण में ऐसी दुकानों को दे दिए गए, जिनके मुंह शोरूम की तरफ थे. पूरे कोलकाता में यह एक समांतर अर्थव्यवस्था है, जिसकी सत्ता कम्युनिस्टों के हाथ से खिसक कर टीएमसी के हाथ में आ गई क्योंकि हारने के बाद गलियों के सारे कम्युनिस्ट गिरोह टीएमसी की तगाड़ी उठाने लग गए. कुछ नहीं बदला. पोरिबर्तन केवल एक नारा साबित हुआ था. अंग्रेज आर्किटेक्ट और टाउन प्लानर आज के कोलकाता में राइटर्स बिल्डिंग से होकर तीन-चार किलोमीटर चारों ओर के बाजारों और फुटपाथों पर घूमकर देखें तो एक स्वर कहेंगे-ये इसी लायक थे.' केवल कोलकाता ही नहीं दूसरे शहरों में भी बंगाल विचित्र है. रेलवे स्टेशनों पर आपने कब्जे बाहर देखे होंगे मगर स्टेशन मास्टर के ऑफिस से सटकर दोनों तरफ प्लेटफॉर्मों पर रेल के डिब्बों की तरफ खुलती दुकानों का बाजार देश में कहीं नहीं देखा होगा. रेलवे की जमीन पर प्लेटफार्मों पर कब्जों का यह अनूठा प्रयोग केवल बंगाल में ही संभव हुआ. रेलमंत्री या मुख्यमंत्री बनने के बाद ममता बनर्जी के पोरिबर्तन' में यह कोई विषय ही नहीं था. नशे के फैलाव के कारण पंजाब को एक फिल्म में उड़ता हुआ पंजाब' कहा गया. बंगाल की कई यात्राओं के बाद मैंने बहुत दुख से इसे सड़ता हुआ बंगाल' कहा था. ये नतीजे बता रहे हैं कुछ उम्मीद बाकी है. वह पूरी तरह सड़ा नहीं है. जनवरी में मेरा वेलूर मठ और दक्षिणेश्वर जाना हुआ. पहले भी गया हूँ और कोलकाता के वे स्थान, जहाँ स्वामी विवेकानंद की स्मृतियाँ ताजा हैं. महर्षि अरविंदो, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, बंकिमचंद्र, शरतचंद्र के अलावा बड़ा बाजार की पुरानी इमारतों के बीच ठाकुरबाड़ी, जहाँ गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर के परिवार की अनगिनत यादें हैं. हर बार मैं सोचता रहा कि ये विभूतियाँ अगर आज के बंगाल की हालत देखें तो क्या सोचेंगी? इतने गहरे सांस्कृतिक संस्कारों और सरोकारों वाले पुनर्जागरण की भूमि को यह कौन-सा अभिशाप जकड़े हुए है? बंकिम अपनी मातृभूमि का वंदन करने के लिए उस सरहद के किस तरफ मुंह करेंगे, जिसकी दूसरी ओर से आने वाले अपराधी घुसपैठिए इस तरफ के बंगाल का राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र और समाज शास्त्र उलटने में लगे हैं और उन्हें पोसने वाले यहाँ वंदनवार सजाए हुए हैं. उन्हें कोलकाता से ढाका तक देखना होगा कि डायरेक्ट एक्शन से रक्तरंजित उनकी मातृभूमि किस बुरे हाल से गुजरी है और रक्तबीजों की अमरबेल कहाँ-कहाँ लिपटी पड़ी है. अतीत में झाँकना हर समय सुखद नहीं होता मगर वह ब्लैक एंड व्हाइट में कुछ निष्कर्ष हमें जरूर देता है. कोई भी राजनीतिक दल सीटों की संख्या के हिसाब से सिमटना और सिकुड़ना बाद में शुरू करता है, पहले वह वैचारिक रूप से दिवालिया होता है. विचार ही राजनीति में महत्वपूर्ण है. आजादी के बाद का इतिहास हर दशक में हर राज्य में अपनी परतें उघाड़ता है. स्वाधीनता संघर्ष की खुमारी सत्ता में जितना टिकाए रख सकती थी, टिकाया मगर भारत के लिए कोई नया और मौलिक विचार उस दौर की राजनीति पैदा नहीं कर सकी. सत्ता ही विचार में थी, जो केंद्र के बाद राज्यों में भी परिवार केंद्रित होती गई. इसलिए आपातकाल तक आते-आते सब बिखरने लगा. विचारहीन राजनीति कोई सबक सीखने लायक भी नहीं बचती. बूढ़े दरख्त की सूखी शाख ठूँठ हो जाती हैं. हरी कोंपले वहाँ नहीं आती. रात के वक्त वहाँ बैठे उल्लू सिर घुमाकर आँखें चमकाते हैं. आजादी के बाद हुए हजारों छोटे-बड़े आंदोलनों को देखें. ऐसे आंदोलन जिन्होंने देश की राजनीति को स्थाई रूप से प्रभावित और परिवर्तित किया. अयोध्या के राममंदिर आंदोलन को आप किस कसौटी पर रखेंगे? एक विचार को लेकर कुछ नेता एक नई-नई पार्टी बनाकर देश में घूमते-भटकते रहे. उन्हें दकियानूसी कहा गया, जिनका आधुनिक विश्व की जरूरतों से कोई सरोकार नहीं था. वे बार-बार की हार से भी नहीं हारे. हार-हारकर भी अपने विचार पर टिके रहे-तुष्टिकरण का विरोध, कश्मीर में 370, समान नागरिक संहिता और अयोध्या में एक मंदिर. सब हँसते थे. गरियाते थे. मजाक उड़ाते थे. मगर उनके पास कोई दूसरा मौलिक विचार भी नहीं था. दिल्ली, लखनऊ, पटना, श्रीनगर, चेन्नई, चंडीगढ़ में सत्ता परिवारों के पास थी. विचारहीन पारिवारिक रियासतें, जिनके लिए सत्ता ही विचार थी. बंगाल पर लौटते हैं. बंगाल एक कठिन और जटिल राजनीतिक भूमि है. दशकों की बिगड़ी आदतें हैं, जो रक्त में समा गई हैं और इनका शुद्धिकरण सरल नहीं है. दो सौ पार का यह परिणाम बेचैन बंगालियों की अनंत अपेक्षाओं का एक भारी-भरकम बोझ भी है, जो अब नए कंधों पर है. मगर असंभव को संभव बनाना भी केवल राजनीति से ही संभव है. बिहार, यूपी और असम में एक जैसी समस्याओं का विस्तार है, जिनमें डेमोग्राफी सबसे चिंतानक है. वोट बैंक बनाकर तुष्टिकरण की राजनीति ने इस घुन को लगभग पूरे देश में फैलने के लिए अनुकूल जमीन तैयार की है, जिसके बुरे परिणाम पूरे देश में उबलते देखे जाते हैं. बंगाल के नए नेतृत्व को वास्तविक परिवर्तन के लिए असम, यूपी और उत्तराखंड के तजुर्बों से बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है. परिणाममूलक परिवर्तन के कुछ सूत्र हेमंता बिस्वा सरमा से लेने ही पड़ेंगे, कुछ पाठ योगी आदित्यनाथ से सीखने होंगे और थोड़ा सा पुष्कर सिंह धामी की पहली कक्षा में झांकते हुए आगे बढ़ना होगा. इन तीनों सीनियर्स में एक को तीसरी बार चुना गया है, दूसरे दूसरी पारी खेल रहे हैं और तीसरे पहली बार के सीएम हैं. इस गुरुकुल में केवल ये तीन ही बंगाल के नए नेतृत्व के लिए अनुकरणीय पाठशालाएँ हैं और सबसे ऊपर दिल्ली के कुलाधिपति. कठोर अनुशासन, सुविचारित योजना, निर्णय क्षमता और निडरता से क्रियान्वयन कुछ ऐसे मंत्र हैं, जो सबके लिए प्रभावी होते हैं. इन पर अमल के लिए किसी ने किसी को नहीं रोका है. बंगाल लंबे समय के लिए अवसर देता है. वह दूसरे उन राज्यों जैसा नहीं है, जहाँ एक बार ये और दूसरी बार वो. बंगाल बार-बार के बदलाव में यकीन नहीं करता. वह एक बार ही झाड़ फेर देता है. आजादी के बाद कांग्रेस सिरमौर रही, तीन दशक तक कम्युनिस्टों को सिर पर बैठाया और डेढ़ तक टीएमसी को लादे रहा. दोनों के चक्कर में कीमती 50 साल बरबाद हो गए. देश कहाँ से कहाँ पहुँच गया और बंगाल किस चक्रव्यूह में फँसा रहा. अब अगले खिलाड़ी विजेता बनकर आ रहे हैं तो 80 साल के इन तजुर्बों से कुछ सीखकर वे उम्मीदें जगा सकते हैं. एक लंबी पारी उनके हिस्से में है. 15 साल पहले टीएमसी ने बड़े जोर से परिवर्तन का नारा कम्युनिस्टों के कुशासन से मुक्ति के रूप में दिया गया था. मगर टीएमसी ने कम्युनिस्टों की राजनीतिक टेम्पलेट से ही काम चलाकर बंगाल की बदहाली को और बढ़ा दिया. परिवर्तन के अब तक नारे सुनता रहा बंगाल क्या सचमुच में परिवर्तन का स्वाद चख पाएगा? सत्ता अपना आरंभ स्वयं लिखती है और अपना अंत भी. बंगाल में एक अंत लिखा गया है और एक आरंभ भी!

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

आपका जन्मदिन मंगलमय हो — 8 मई

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 8 मई है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह शनि है. इस माह का अधिपति ग्रह शुक्र है. आपके जीवन पर शुक्र एवं शनि ग्रह का प्रभाव रहेगा. आप आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होंगे. आप हंसमुख स्वभाव के होंगे जिस कारण अनजान व्यक्ति भी आपके सम्पर्क में आ जायेगा. आपके जीवन में अनेकों बार उतार-चढ़ाव के क्षण आयेंगे. लेकिन कार्य सामान्य रूप से करते रहेंगे. आप में ईर्ष्या की भावना अधिक रहेगी. आप ऊपर से कठोर होते हुए भी अन्दर में अत्यन्त कोमल एवं दयालु होंगे. आप अनुशासन को ज्यादा महत्व देंगे. मित्रों के लिए बेहतर मित्र साबित होंगे लेकिन शत्रुओं के लिए आपके दिल में कोई स्थान नहीं रहेगा. धार्मिक व अध्यात्मिक कृत्यों की और आपका झुकाव रहेगा. सुक्ष्मदर्शिता आपका विशेष गुण होगा. जनकल्याण की ओर भी आपका रुझान रहेगा. आप आर्थिक पक्ष को ज्यादा महत्व देंगे. सुख-समृद्धि हेतु नियमित रूप से देव अर्चना करें. अपने दैनिक जीवन में हरा रंग, नीला रंग का प्रयोग अधिकतम करें. काले रंग की वस्तुओं का दान भी करें. गाय को रोजाना मीठी रोटी खिलावें. सदाचार का पालन करें. हिंसा जनित कार्य न करें. लाभ मिलेगा. भाग्योदय के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	ॐ शं शनैश्चराय नम:	मास	जनवरी, अप्रैल एवं दिसम्बर
व्रत	शनिवार	वर्ष	8, 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
दिन	सोमवार, गुरुवार एवं शनिवार	रंग	हरा, नीला, काला एवं भूरा
दिनांक	8, 17, 26	जन्मरत्न	नीलम
उपरत्न	नीली	अंक	2, 4, 6, 7
जड़ी	लाल चन्दन की जड़		

यंत्र

12	7	14
13	11	9
8	15	10

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 20 जनवरी से 20 फरवरी, 20 सितम्बर से 20 अक्टूबर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : विनियोजित धन का प्रतिफल आशानुकूल प्राप्त, सामाजिक क्रियाकलापों में अभिरुचि, मौज-मस्ती के निमित्त व्यय, विवाद समापन की ओर, यात्रा संतोषजनक.

वृषभ : सामयिक सिद्धि का प्रयास सार्थक, कठिनाइयों में कमी, कार्य-व्यवसाय में लाभ का सुअवसर, मेल-मिलाप की ओर रुचि, व्यापार में धन निवेश, सुयश की प्राप्ति.

मिथुन : स्वास्थ्य में शिथिलता, पारिवारिक समस्याओं से मन उदास, विवाद की आशंका, यात्रा में कष्ट, वाहन से भय, चोट-चपेट दुर्घटना की आशंका, अपव्यय भी.

कर्क : ग्रहयोग भाग्य के पक्ष में, आर्थिक व्यावसायिक उन्नति, पुरातन विवाद का समापन, पठन-पाठन में रुचि, सुख के जरूरी साधन सुलभ, आनन्द की अनुभूति.

सिंह : विचारित कार्यों में प्रगति, व्यावसायिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त, विवादास्पद मसला हल, मनोबल में वृद्धि, शत्रु हानि पहुँचाने में असफल, सद्‌विचारों का उदय.

कन्या : ग्रहयोग बेहतर, समस्याएं सुलझने की ओर, मित्रों से अपेक्षित सहयोग, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि, मानसिक राहत, धर्म अध्यात्म में आस्था, जिम्मेदारियों हेतु व्यय.

तुला : दिनचर्या अव्यवस्थित, व्यावसायिक पक्ष में निराशा, राजकीय पक्ष से उलझनें, परिस्थितियां भाग्य के विपरीत, खर्च से परेशान, अशांति का माहौल, यात्रा कष्टकर.

वृश्चिक : नवीन योजना के प्रति रुचि जागृत, आमोद प्रमोद के साधन सुलभ, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, विशिष्टजनों से सम्पर्क, दाम्पत्य जीवन में सुखी, मनोरंजन में रुझान.

धनु : पराक्रम से कार्यसिद्धि, इच्छानुकूल घटनाएं घटित, आत्मबल में वृद्धि, महत्वपूर्ण सफलता, व्यापार में धन निवेश, पारिवारिक प्रसन्नता, परोपकार की भावना जागृत.

मकर : व्यावसायिक वातावरण मनोनुकूल, सामाजिक गतिविधियों में अभिरुचि, पारिवारिक मतभेद समाप्त, संभावित यात्रा का कार्यक्रम, मंगल आयोजन संपन्न.

कुम्भ: दिनचर्या अस्त-व्यस्त, अध्यात्म के प्रति अरुचि, राजकीय पक्ष से प्रतिष्ठा पर आघात, लाभ का मार्ग अवरुद्ध, विचारों में उग्रता, उन्नति में बाधा.

मीन: समय संतोषजनक, परिस्थितियां अनुकूल, सुसंदेश की प्राप्ति, नौकरी में पदोन्नति विषयक मसला हल, प्रियजनों से विचार-विमर्श, स्थान परिवर्तन का कार्यक्रम.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख ।
नाम कपिल भल होइब ईँह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख ।।5।।

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा । क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है । अत: इस बालक का नाम ' कपिल ' अच्छा होगा ।

ब्रम्ह चिन्तन करहि दिनु राति । भयउ बड़ कपिल ऐहि भांति ।।
मुनि आश्रम भा आनन्द धामा । सुत क्रीड़ा मुदित कर्दम बामा ।।

व्याख्या - ब्रम्ह का रात - दिन चिन्तन करते हुए कपिल बड़ा होमे लगा । मुनि कर्दन का आश्रम आनन्द का घर बन गया तथा पुत्र की क्रीड़ा देखकर कर्दम की पत्नी प्रसन्न रहने लगी ।

विश्व रेडक्रॉस दिवस (8 मई) पर विशेष

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

– योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं. रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है. 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी. युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया. डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई. डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे. ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा. युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया. 1863 में जेनेवा में एक अंतरराष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया. नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतरराष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए. इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है. शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है. मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था. दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं. शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बनाई है. फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है. भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की. भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया. वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं. रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है. विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयंसेवक हैं. यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है. रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है. देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है. वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं. रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है. रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है. रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है. *(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)*

न्यूज़ कॉर्नर

पूर्व वार्ड नंबर 07 में बड़े नाला का सफाई अभियान युद्ध स्तर पर तेज हुआ

साहिबगंज : बरसात से पूर्व वार्ड नंबर 07 में बड़े नाला का सफाई अभियान युद्ध स्तर पर तेज कर दी गई है, लंबे समय से नाला जाम रहने के कारण रोड पर जल जमाव जैसी समस्याएं आती रही है,इसलिए सफाई कर्मियों के साथ कर्मचारी पदाधिकारी एवं वार्ड पार्षद सुनीता सिन्हा के सहयोग से युद्ध स्तर पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है, साथ ही वार्ड के सभी खराब पड़े बिजली पोल मैं लगी लाइट की मरम्मती कर वार्ड में प्रकाश की उत्तम व्यवस्था करने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है,इस अभियान में नागरिकों से भी वार्ड पार्षद सुनीता सिन्हा घूम घूम कर अनुरोध कर नाला में कचरा फेंकने के लिए वर्जित किया जा रहा है,एन एच-80 पर गलत निर्माण के चलते पुराने नाला से नहीं जोड़ने की वजह से पानी का निकास बाधित हो रहा है, ऐसे में नगर परिषद को शहर भ्रमण कर नाली के कठिनाइयों को दूर करने की दिशा में तकनीकी निर्णय लेते हुए विकास की व्यवस्था पर अभिलंब निर्णय लेना होगा, नाला निर्माण का स्वच्छ स्वरूप तय करना होगा,तभी शहर का विकास संभव है,वार्ड भ्रमणके क्रम मेंवार्ड पार्षद सुनीता सिहां के साथपूर्व पार्षद जयप्रकाश सिहांभी उपस्थित थे.

महंगाई पर जेएमएम का 'हल्ला बोल'

साहिबगंज : गुरुवार को रसोई गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों और बेलगाम महंगाई के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने साहिबगंज जिला मुख्यालय समेत पूरे झारखंड में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया. पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर आयोजित इस राज्यव्यापी आंदोलन में जिला मुख्यालयों के सामने कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और महंगाई को लेकर अपना आक्रोश जताया. साहिबगंज में जिला अध्यक्ष अरुण सिंह की अगुवाई में रेलवे स्टेशन परिसर में हल्ला बोल कार्यक्रम के तहत प्रदर्शन किया गया. धरने को संबोधित करते हुए जेएमएम नेताओं ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण आम जनता का जीवन संकट में पड़ गया है. नेताओं ने आरोप लगाया कि कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट के बावजूद पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम कम नहीं किए जा रहे हैं, जिससे गरीब, मध्यमवर्गीय और दिहाड़ी मजदूर परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है. पार्टी नेताओं ने कहा कि छोटे गैस सिलेंडर की कीमत में 261 रुपए की बढ़ोतरी ने गरीब परिवारों की रसोई पर सीधा असर डाला है, जबकि कमर्शियल गैस सिलेंडर में 993 रुपए की अप्रत्याशित वृद्धि से होटल और रेस्टोरेंट व्यवसाय भी प्रभावित हो रहे हैं. इसके अलावा खाद्य पदार्थों की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है. धरना के माध्यम से चेतावनी दिया गया कि यदि केंद्र सरकार ने महंगाई पर जल्द नियंत्रण नहीं किया और गैस सिलेंडर व ईंधन की कीमतों में राहत नहीं दी,तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा. पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने राज्य भर के कार्यकर्ताओं और आम जनता से महंगाई के खिलाफ इस लड़ाई में एकजुट होकर आवाज बुलंद करने की अपील की है. मौके पर जिला सचिव सुरेश टुडू, केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलू मिश्रा, संजीव सामु हेंब्रम, जिला युवा मोर्चा सचिव मो मारुफ उर्फ गुड्डू, प्रो नजरुल इस्लाम, नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान, केंद्रीय समिति सदस्य सुरेंद्र यादव, अमरनाथ यादव, अखलाकुर रहमान, नगर पंचायत अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख, प्रो मोज़म्मिल हक़ सहित सभी प्रखंडों से अध्यक्ष, सचिव व सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे.

जनगणना को लेकर तीसरे फेज का दिया गया प्रशिक्षण

उधवा : प्रखंड सभागार कक्ष एवं प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा में तृतीय फेज का प्रथम दिन गुरुवार को भारत की जनगणना को लेकर प्रशिक्षण दिया गया. जानकारी के अनुसार बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण दिया जा रहा है. प्रशिक्षण के पहले दिन प्रतिभागियों को हाउस लिस्टिंग सर्वे की विस्तृत जानकारी दी गई. प्रशिक्षण में बताया गया कि इस बार जनगणना का पूरा कार्य एक विशेष मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा. जिसके तहत प्रत्येक घर में जाकर आवश्यक जानकारी एकत्रित करनी होगी. प्रशिक्षकों ने तकनीकी रूप से जनगणना प्रक्रिया की बारीकी से सहज और व्यावहारिक ढंग से समझाया गया. मौके पर मास्टर ट्रेनर राकेश कुमार साहा,राम बिहारी मंडल,मन्नू शेख,मो.हकीमुद्दीन शेख, शशिकांत,सुदिव्य मुखर्जी,प्रशिक्षु अब्दुल मन्नान,मोहन लाल साहा,सद्दाम हुसैन, ओमप्रकाश साहा,अब्दुल रज्जाक व जितेन मंडल सहित अन्य मौजूद थे.

कमलपुर से विवाहिता लापता, युवक पर भगाकर ले जाने का आरोप

जमशेदपुर: पूर्वी सिंहभूम जिला के कमलपुर थाना क्षेत्र से एक विवाहित महिला के लापता होने का मामला सामने आया है. परिजनों ने आरोप लगाया है कि महिला को एक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है. घटना के बाद परिवार में चिंता का माहौल है. मामले को लेकर परिजनों ने कमलपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई है. जानकारी के अनुसार आरोपी युवक की पहचान हेरबन निवासी संजय उरांव के रूप में हुई है. शिकायतकर्ता के मुताबिक उसकी पत्नी 20 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई. काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई. 6 मई को पुलिस को मामले की सूचना मिलने के बाद जांच शुरू कर दी गई. पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला को बहला-फुसलाकर ले जाया गया है या वह अपनी इच्छा से गई है. मामले में दोनों के मोबाइल कॉल डिटेल और संभावित ठिकानों की भी जांच की जा रही है. पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है और महिला को जल्द बरामद करने का प्रयास किया जाएगा. घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं. पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और जांच में सहयोग करने की अपील की है.

उपायुक्त ने पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, हिरणपुर का किया निरीक्षण

स्मार्ट क्लास एवं आईसीटी लैब को शीघ्र दुरुस्त करने तथा विद्यालय में आवश्यक आधारभूत सुविधाएं विकसित करने के दिए निर्देश

पाकुड़: उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज ने गुरुवार को पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, हिरणपुर का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, छात्रावास व्यवस्था एवं आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया. निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने चल रहे हिंदी एवं भूगोल की कक्षाओं का अवलोकन किया तथा छात्राओं से पढ़ाई से संबंधित जानकारी प्राप्त की. उन्होंने विद्यालय में संचालित कक्षाओं के समय एवं विषयवार पढ़ाई की जानकारी लेते हुए विद्यालय प्रबंधन से टाइम टेबल के संबंध में पूछताछ की. टाइम टेबल प्रदर्शित नहीं पाए जाने पर उन्होंने सभी कक्षाओं के लिए व्यवस्थित टाइम टेबल तैयार कर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया.

उपायुक्त ने विद्यालय में स्थापित स्मार्ट क्लास एवं आईसीटी लैब का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान स्मार्ट क्लास एवं आईसीटी लैब खराब पाए गए, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र दुरुस्त कराने का निर्देश दिया, ताकि छात्राओं को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके. इस दौरान छात्राओं ने विद्यालय में शिक्षकों की कमी की समस्या से उपायुक्त को अवगत कराया. उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया. साथ ही उन्होंने छात्राओं का हौसला अफजाई करते हुए बेहतर शिक्षा एवं अनुशासन के लिए प्रेरित किया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण के प्रति जागरूक रहने की अपील की.निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने छात्रावास में उपलब्ध व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली तथा छात्राओं से भोजन, सुरक्षा एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में बातचीत की. उन्होंने छात्राओं से यह भी पूछा कि वे कौन-कौन से खेल खेलती हैं तथा खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने पर बल दिया.

साथ ही पीएम श्री योजना अंतर्गत प्राप्त राशि एवं उसके उपयोग की जानकारी ली.उपायुक्त ने कहा कि जिला स्तर से एक टीम गठित की जा रही है, जो कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की उपलब्ध भूमि का चिन्हांकन करेगी. चिन्हित भूमि के आधार पर विद्यालय परिसर में प्लेग्राउंड, अतिरिक्त क्लासरूम एवं मल्टीपर्पस हॉल निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.

रोहिणी टोल बंद

दार्जिलिंग : दार्जिलिंग मार्ग पर स्थित रोहिणी टोल प्लाजा बंद कर दिया गया. गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट (जीएनएलएफ) कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन के बाद टोल वसूली पूरी तरह ठप हो गई.गुरुवार सुबह जीएनएलएफ के नेता और कार्यकर्ता रोहिणी टोल प्लाजा पहुंचे और टोल के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. विरोध के दौरान टोल कर्मी वहां से हट गए, जिसके बाद प्लाजा का कामकाज बंद हो गया.जीएनएलएफ का दावा है कि अब रोहिणी होकर कर्सियांग और दार्जीलिंग जाने वाले किसी भी वाहन को टोल नहीं देना होगा. पर्यटक गाड़ियां, ट्रक, छोटी गाड़ियां और बाइक-सभी बिना टोल के गुजर सकेंगी.गौरतलब है कि यह टोल प्लाजा गोरखालैंड प्रादेशिक प्रशासन (जीटीए) द्वारा शुरू किया गया था. लंबे समय से यहां पहाड़ में प्रवेश करने वाले वाहनों से शुल्क वसूला जा रहा था.जीएनएलएफ का आरोप था कि यह टोल आम लोगों और पर्यटकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहा है.

बढ़ती महंगाई के विरोध में झामुमो ने केंद्र सरकार के खिलाफ दिया धरना, आंदोलन की दी चेतावनी

पाकुड़: झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने गोकुलपुर स्थित पेट्रोल पंप के समीप केंद्र सरकार की नीतियों और बढ़ती महंगाई के विरोध में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया. धरने के दौरान पार्टी नेताओं ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला.धरने को संबोधित करते हुए झामुमो केंद्रीय समिति की सदस्य उपासना मरांडी उर्फ पिंकी ने कहा कि वर्ष 2014 में जनता ने अच्छे दिन की उम्मीद की थी, लेकिन बदले में महंगाई और बेरोजगारी मिली. उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार युद्ध का हवाला देकर गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा रही है, जबकि चुनाव परिणाम आते ही जनता पर महंगाई का बोझ डाला जा रहा है. उन्होंने कहा कि पीएम उज्ज्वला योजना पूरी तरह विफल साबित हो रही है, क्योंकि गरीब परिवार 1000 से अधिक कीमत का गैस सिलेंडर खरीदने में सक्षम नहीं हैं.वहीं झामुमो जिलाध्यक्ष एजाजुल इस्लाम ने कहा कि केंद्र सरकार मनमाने तरीके से पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें बढ़ा रही है, जिससे आम लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है. गरीबों का चूल्हा बुझने की स्थिति में पहुंच गई है. उन्होंने केंद्र सरकार से टैक्स कम कर कीमतों को नियंत्रित करने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो झामुमो आंदोलन को और तेज करेगा. कार्यक्रम में श्याम यादव, माइकल मुर्मू, हाजी समद अली, पीटर मरांडी, हरिवंश चौबे सहित जिला समिति और केंद्रीय समिति के कई सदस्य एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने किया होटल एवं किराना दुकानों का औचक निरीक्षण

पाकुड़: खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अनुपालन को लेकर गुरुवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, पाकुड़ द्वारा जिले के विभिन्न होटल एवं किराना दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया.निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच की गई. निरीक्षण के क्रम में प्रतिष्ठानों के संचालकों को परिसर की नियमित साफ-सफाई बनाए रखने का निर्देश दिया गया. साथ ही बिना फूड लाइसेंस के खाद्य कारोबार नहीं करने तथा निर्धारित नियमों के अनुरूप लाइसेंस प्राप्त कर ही व्यवसाय संचालित करने को कहा गया. खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने खाद्य पदार्थों में अखाद्य रंगों का प्रयोग नहीं करने का सख्त निर्देश देते हुए कहा कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.निरीक्षण के दौरान एसएसबी ढाबा, गुरुकुल, वाणी आइसक्रीम, रामचंद्र, जमारूल शेख एवं शोहेल शेख को खाद्य सुरक्षा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए. उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

बृहद शहरी जलापूर्ति योजना गंगा पानी शुरू लोगों में खुशी

पाकुड़: बृहद शहरी जलापूर्ति योजना (गंगा पानी) के तहत राज हाई स्कूल क्षेत्र के आसपास के इलाकों, दुर्गा कॉलोनी, शिवपुरी कॉलोनी तथा कलिकापुर क्षेत्र के घरों में वॉटर कनेक्शन के माध्यम से जलापूर्ति शुरू की गई. पहली बार घरों तक पानी पहुंचने से स्थानीय लोग और कनेक्शनधारी काफी उत्साहित नजर आए. नगर परिषद द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शहरी जलापूर्ति योजना के तहत अब इन क्षेत्रों में प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से 9:00 बजे तक नियमित जलापूर्ति की जाएगी. इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष साबरि पाल कर्मचारी सहित अन्य कर्मी मौजूद थे.

महंगाई और गैस कीमतों के विरोध में झामुमो का प्रदर्शन, महिलाओं ने लकड़ी का गट्ठर लेकर जताया विरोध

जमशेदपुर : देश में लगातार बढ़ती महंगाई और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने गुरुवार को जमशेदपुर जिला मुख्यालय के समक्ष एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया. राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत आयोजित इस प्रदर्शन में झामुमो कार्यकर्ताओं और नेताओं ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए आम जनता पर बढ़ते महंगाई के बोझ को प्रमुख मुद्दा बनाया. प्रदर्शन के दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने सिर पर लकड़ियों का गट्ठर रखकर विरोध जताया. उन्होंने संदेश दिया कि रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के कारण आम परिवार, खासकर महिलाएं, फिर से लकड़ी पर खाना पकाने को मजबूर हो रही हैं. झामुमो नेताओं ने कहा कि महंगाई ने आम लोगों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है और दैनिक जरूरतों की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं. पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी और जिला अध्यक्ष विक्टर सोरेन ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार महंगाई कम करने के वादे के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन आज पेट्रोल, डीजल, गैस और खाद्य सामग्री की कीमतों में लगातार वृद्धि से जनता परेशान है. नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन सिर्फ विरोध नहीं, बल्कि जनता की आवाज बुलंद करने का प्रयास है.

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण नहीं करती है तो झामुमो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज करेगा. इस अवसर पर पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी, लक्ष्मण टुडू, जिला अध्यक्ष विक्टर सोरेन, पूर्व सांसद सुमन महतो, सरोज महापात्र, प्रमोद लाल, शेख बदरुद्दीन सहित बड़ी संख्या में झामुमो के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और महिलाएं उपस्थित थीं.

कदमा में चेन स्नैचिंग का खुलासा, तीन आरोपियों को जेल

जमशेदपुर : कदमा थाना क्षेत्र में महिला से सोने की चेन छीनकर फरार होने वाले तीन अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने आरोपियों के पास से छीने गए सोने के जेवर, नकद राशि तथा घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की है. गिरफ्तार आरोपियों में आदित्यपुर निवासी प्रकाश पटेल, कदमा भाटिया बस्ती निवासी प्रीतम सिंह उर्फ पोंगो तथा सोनारी निवासी निखिल सोनी शामिल हैं. तीनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है. जानकारी के अनुसार 2 मई को कदमा थाना अंतर्गत अनिल सूर पथ रोड पर स्कूटी सवार अपराधियों ने महिला अनीता चौधरी, पत्नी जयप्रकाश चौधरी, निवासी नारायणी विला, सरायकेला पथ, के गले से सोने की चेन छीन ली थी और मौके से फरार हो गए थे. घटना के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया. तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने 6 मई को टाटा वर्कर्स यूनियन हाई स्कूल, कदमा के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया. पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया. उनकी निशानदेही पर पुलिस ने खुलासा किया कि छीनी गई चेन को कदमा स्थित जेपी ज्वेलर्स में बेच दिया गया था. इसके बाद पुलिस ने ज्वेलरी दुकान में छापेमारी कर पिघलाए गए सोने से बनी तीन अंगूठियां बरामद कीं. साथ ही दुकान संचालक को भी गिरफ्तार कर लिया गया. जांच में सामने आया कि चेन को 25 हजार रुपये में बेचा गया था, जिसमें से 15 हजार रुपये नकद आरोपियों के पास से बरामद किए गए हैं.

हिंसा फैलाने वालों को भाजपा में जगह नहीं : शंकर चौधरी

आसनसोल : पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य शंकर चौधरी ने गुरुवार को आसनसोल बाजार इलाके में जीटी रोड स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन किया. इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की जनता को भाजपा को प्रचंड बहुमत देने के लिए धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि पार्टी किसी भी हालत में हिंसा और अराजकता की राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी. इस तरह के लोगों को भाजपा में शामिल नहीं किया जाएगा.शंकर चौधरी ने कहा कि वह लगभग 50 वर्षों से भाजपा से जुड़े हुए हैं और उनके मन में हमेशा यह सपना था कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बने. उन्होंने कहा कि आखिरकार उनका यह सपना पूरा हुआ. उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ उनका व्यक्तिगत सपना नहीं था, बल्कि बंगाल के सभी राष्ट्रवादी लोगों की इच्छा थी.चुनाव परिणाम आने के बाद राज्य के विभिन्न इलाकों में हिंसा और अप्रिय घटनाओं पर उन्होंने चिंता जताई. आरोप लगाया कि इन घटनाओं के पीछे तृणमूल कांग्रेस के वे कार्यकर्ता हैं, जो भाजपा की जीत के बाद अब पार्टी में शामिल होने की कोशिश कर रहे हैं और अपने पुराने राजनीतिक आक्रोश को हिंसा के जरिए बाहर निकाल रहे हैं.उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस तरह के लोगों को भाजपा में शामिल नहीं किया जाएगा. भाजपा किसी भी हालत में हिंसा और अराजकता की राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी.

उन्होंने उम्मीद जताई कि पुलिस प्रशासन ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा.शंकर चौधरी ने कहा कि भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा अन्य पार्टी से अलग है. उन्होंने कहा कि भाजपा कभी भी वामपंथी दलों या तृणमूल कांग्रेस की तरह पुलिस प्रशासन को पार्टी कैडर में बदलने का प्रयास नहीं करेगी.

बिजली-पानी संकट को लेकर भाजपा का जोरदार प्रदर्शन, महिलाओं ने सिर पर हांडी रखकर जताया विरोध

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिले में गहराते बिजली और पानी संकट को लेकर जमशेदपुर महानगर भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में उपायुक्त कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया गया. प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. प्रदर्शन में विधायक पूर्णिमा साहू, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पूर्व सांसद सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे. भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिले में लगातार हो रही बिजली कटौती और पेयजल संकट को लेकर सरकार के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया. इस दौरान महिलाओं की भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही. विधायक पूर्णिमा साहू के नेतृत्व में महिलाओं ने सिर पर मिट्टी की हांडी रखकर प्रदर्शन किया, जो जिले में पानी की गंभीर समस्या का प्रतीक था. महिलाओं ने कहा कि घरों में पानी की भारी किल्लत है और रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित हो रहे हैं. भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि पूरे जिले में बिजली और पानी आपूर्ति की स्थिति दिन-प्रतिदिन बदतर होती जा रही है. घंटों बिजली कटौती के कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. भीषण गर्मी में अनियमित बिजली आपूर्ति लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन चुकी है. वहीं पेयजल संकट ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं. विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि जिले के कई इलाकों में लोग पानी के लिए तरस रहे हैं. कई मोहल्लों में जलापूर्ति बाधित है, जिससे लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि बार-बार बिजली कटने से बच्चों की पढ़ाई, व्यापार और घरेलू काम प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन सरकार इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है. पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भी राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है, लेकिन सरकार जनता की समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं है. उन्होंने कहा कि बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन वर्तमान सरकार इसमें विफल साबित हो रही है. प्रदर्शन के अंत में भाजपा नेताओं ने उपायुक्त के माध्यम से राज्य सरकार को ज्ञापन सौंपते हुए बिजली और पानी की समस्या के तत्काल समाधान की मांग की. साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो भाजपा आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज करेगी. मौके पर प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि आज भाजपा जमशेदपुर महानगर द्वारा उपायुक्त कार्यालय पर पेयजल संकट एवं अघोषित बिजली कटौती के विरोध में आयोजित विशाल प्रदर्शन में शामिल होकर जनता की आवाज़ बुलंद की. महिला मोर्चा की बहनों द्वारा खाली घड़े फोड़कर किया गया विरोध जनता के आक्रोश और पीड़ा का प्रतीक है. जनता को राहत देना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है. भारतीय जनता पार्टी जनता के अधिकारों के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करती रहेगी.

न्यूज़ कॉर्नर

आईपीएल मुकाबलों के लिए अपने दूसरे घर धर्मशाला पंहुची पंजाब किंग्स की टीम

धर्मशाला: धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने वाले आईपीएल के आगामी तीन मुकाबलों के लिए पंजाब किंग्स की टीम अपने दूसरे घर धर्मशाला पंहुच गई है. वीरवार को तय कार्यक्रम के मुताबिक शाम करीब साढ़े पांच बजे विशेष विमान से कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में टीम के खिलाड़ी गगल एयरपोर्ट पंहुचे जहां से सभी खिलाड़ी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच धर्मशाला के कंडी स्थित होटल रवाना हो गए. इसे पूर्व पंजाब किंग्स की टीम का गगल हवाई अड्डे पर हिमाचली संस्कृति से स्वागत किया गया. इसके बाद पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों को स्पेशल बसों के द्वारा कांगड़ा हवाई अड्डे से धर्मशाला के लिए रवाना किया गया. इस दौरान पंजाब किंग्स के कैप्टन श्रेयस अय्यर, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, मारको जॉनसन, हरप्रीत बर्रार, मार्कस स्टोइनिस, शशांक सिंह, जोश इंग्लिश आदि खिलाड़ी नजर आए. अपने पंसदीदा क्रिकेटरों की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमीयों ने एयरपोर्ट में खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया, और उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश भी की. लेकिन, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते किसी को भी खिलाडियों के साथ सेल्फी लेने की अनुमति नहीं दी. वहीं इन क्रिकेट खिलाडि़यों के एक झलक पाने के लिए क्रिकेट प्रेमियों का हजूम लगा हुआ था, लेकिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते किसी भी व्यक्ति को सुरक्षा घेरे में नही जाने दिया गया. धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में 11 मई को खेले जाने वाले मैच को लेकर मेजबान टीम तीन दिनों तक अभ्यास करेगी. एचपीसीए स्टेडियम में पंजाब की टीम शाम छह से नौ बजे तक आठ से 10 मई तीन दिन तक शाम छह से रात नौ बजे तक प्रैक्टिस करती नजर आएगी. जबकि सभी की नजरें अब धर्मशाला में होने वाले 11 मई को पंजाब किंग्स के साथ दिल्ली कैपिटल्स के रोमांचक मुकाबले पर टिकी हैं. इसमें पंजाब की नज़रें अब लगातार तीन हार के बाद जीत का क्रम वापिस लाने की तरफ होंगी. इसके बाद 14 मई को पंजाब मुंबई इंडियंस के साथ व 17 मई को मेजबान को पूर्व चैंपियन आरसीबी के साथ मुकाबला खेलेगी. वहीं धर्मशाला में पंजाब के साथ खेले जाने वाले पहले मुकाबले के लिए दिल्ली कैपिटल्स की टीम 9 मई को धर्मशाला पंहुचेंगी. 11 मई को खेले जाने वाला यह मुकाबला शाम साढ़े सात बजे से शुरू होगा.

पाकिस्तान दौरे पर जाएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम, खेलेगी तीन वनडे मैचों की सीरीज

इस्लामाबाद: ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम पाकिस्तान दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी. सीरीज का पहला मुकाबला 30 मई को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम 23 मई को इस्लामाबाद पहुंचेगी. सीरीज का दूसरा और तीसरा वनडे मुकाबला क्रमशः 2 जून और 4 जून को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में आयोजित होगा. ऑस्ट्रेलिया ने इसी साल जनवरी में पाकिस्तान का दौरा किया था, जहां दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली गई थी. इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अपने सभी ग्रुप मुकाबले भी पाकिस्तान में खेले थे, हालांकि इनमें से दो मैच बारिश के कारण धुल गए थे. इस वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के कई वरिष्ठ खिलाड़ियों के नहीं खेलने की संभावना है. कप्तान पैट कमिंस समेत कुछ खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त रहेंगे, क्योंकि यह सीरीज आईपीएल के अंतिम चरण से टकरा रही है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्पष्ट किया है कि आईपीएल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को अपने फ्रेंचाइजी अनुबंध पूरे करने की अनुमति दी जाएगी. भारत के खिलाफ पिछले साल अक्टूबर में घरेलू वनडे सीरीज खेलने के बाद यह ऑस्ट्रेलिया की पहली वनडे सीरीज होगी. पाकिस्तान दौरे के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम 9 जून से बांग्लादेश दौरे पर जाएगी, जहां वह सभी प्रारूपों की सीरीज खेलेगी. वहीं, पाकिस्तान टीम हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज 2-1 से हार चुकी है. पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) समाप्त होने के बाद टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए फिर से बांग्लादेश दौरे पर जाएगी. **ऑस्ट्रेलिया का पाकिस्तान दौरा - कार्यक्रम:** 30 मई - पहला वनडे रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम, रावलपिंडी. 2 जून- दूसरा वनडे - गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर. 4 जून - तीसरा वनडे गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर.

केकेआर के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने की वरुण चक्रवर्ती की तारीफ, बल्लेबाजी को लेकर जताई चिंता

नयी दिल्ली: कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की तारीफ करते हुए कहा कि किसी को भी उनकी क्षमता पर संदेह नहीं था. ब्रावो ने स्वीकार किया कि टीम की बल्लेबाजी निरंतर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है. दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले मुकाबले से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, खेल पूरी तरह परिणाम आधारित और भावनात्मक होता है. वरुण विश्वस्तरीय स्पिनर हैं और वर्ल्ड कप के बाद काफी व्यस्त कार्यक्रम से लौटे थे. सही समय पर ब्रेक मिलना जरूरी होता है. जब खिलाड़ी इतना अच्छा हो तो फॉर्म में वापसी सिर्फ समय की बात होती है. ब्रावो ने कहा कि टीम प्वाइंट टेबल को लेकर ज्यादा दबाव में नहीं है और फिलहाल हर मुकाबले को करो या मरो की तरह खेल रही है. उन्होंने कहा,हम पॉइंट्स टेबल के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे. कोचिंग स्टाफ का साफ संदेश है कि हर मैच को आखिरी मैच की तरह खेलना है. शुरुआत खराब रही थी, लेकिन पिछले तीन मुकाबलों में टीम के प्रदर्शन में सुधार दिखा है और इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है. ब्रावो ने माना कि इस सीजन में स्पिनरों और तेज गेंदबाजों दोनों ने अहम भूमिका निभाई है. उन्होंने कहा, कुछ मैच तेज गेंदबाजों के होते हैं और कुछ स्पिनरों के. आंकड़े देखें तो सातवें से 20वें ओवर के बीच हमारी गेंदबाजी काफी मजबूत रही है, जिसका बड़ा कारण हमारी स्पिन यूनिट है. हमारे पास तीन बेहतरीन स्पिनर हैं, लेकिन तेज गेंदबाजों ने भी अच्छा योगदान दिया है. मथीशा पथिराना की वापसी पर ब्रावो ने कहा कि वह टीम के करीब हैं, लेकिन टीम कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहती. उन्होंने कहा, हम सभी उन्हें मैदान पर देखना चाहते हैं, लेकिन उनकी चोट को देखते हुए सही समय पर वापसी जरूरी है. उनकी मौजूदगी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है. ब्रावो ने कार्तिक त्यागी समेत युवा गेंदबाजों की जमकर तारीफ की. उन्होंने कहा, त्यागी में काफी प्रतिभा और ऊर्जा है. वह लगातार सीखना चाहता है और सवाल पूछता रहता है. हमारा फोकस सिर्फ गेंदबाजी कराने पर नहीं, बल्कि सही योजना और रणनीति के साथ गेंदबाजी सिखाने पर है. उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो बल्लेबाजी चिंता का विषय है और यही वजह है कि हम इस स्थिति में हैं. हालांकि यह प्रयास की कमी नहीं है. बल्लेबाज मेहनत कर रहे हैं, लेकिन कभी-कभी शॉट चयन और किस्मत भी फर्क डालती है. मुझे विश्वास है कि जब बल्लेबाजी क्लिक करेगी तो इस टीम को रोकना मुश्किल होगा.

एएफआई और रूसी एथलेटिक्स महासंघ के बीच कोई समझौता नहीं हुआ : सुमारिवाला

नयी दिल्ली: विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष आदिल जे सुमारिवाला ने बृहस्पतिवार को उन रिपोर्टों को साफ तौर पर खारिज कर दिया जिनमें दावा किया गया था कि भारत और रूस के राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ के बीच एक समझौते ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं. यह खंडन उन खबरों के बाद आया है जिनमें ट्रेनिंग और खिलाड़ियों के आदान-प्रदान के लिए एक औपचारिक गठजोड़ का सुझाव दिया गया था. सुमारिवाला ने कहा कि हालांकि भारत व्यापक साझेदारियों का हिस्सा बना हुआ है, लेकिन भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने रूस की संस्था के साथ कोई विशिष्ट द्विपक्षीय समझौता नहीं किया है. सुमारिवाला ने एक बयान में कहा, ''मैं साफ तौर पर पुष्टि कर सकता हूं कि रूसी एथलेटिक्स और एएफआई के बीच कोई समझौता नहीं हुआ है और कोई भी रूसी एथलीट मौजूदा समय में तब तक प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा जब तक विश्व एथलेटिक्स के प्रतिबंध लागू हैं जो रूस के प्रतिस्पर्धियों, अधिकारियों और सहायक कर्मचारियों को प्रतिस्पर्धा से बाहर रखते हैं.'' उन्होंने कहा, ''हम सभी उम्मीद करते हैं कि यूक्रेन पर रूस के युद्ध का जल्द ही कोई समाधान निकलेगा और जैसे ही ऐसा होगा, हम रूसी एथलेटिक्स के साथ फिर से जुड़ने के लिए तैयार हैं.''

दिल्ली के बल्लेबाजों के सामने वरूण और नारायण की चुनौती

मैच शाम 7.30 से शुरू होगा

नयी दिल्ली: पेचीदा पिचों पर चकमा खाने वाली या अच्छी पिचों पर बड़ा स्कोर नहीं बचा पाने वाली दिल्ली कैपिटल्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शुक्रवार को आईपीएल के 'करो या मरो' के मुकाबले में घरेलू मैदान पर भी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है. दस मैचों में आठ अंक लेकर सातवें स्थान पर काबिज दिल्ली को अब प्लेआफ में जगह बनाने के लिये 16 अंक तक पहुंचने के लिये बाकी चारों मैच जीतने होंगे. वहीं आठवें स्थान पर खड़ी केकेआर को भी बाकी पांचों मैच जीतने होंगे. ऐसे में यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि दिल्ली कैपिटल्स का यह मैच किस तरह की पिच पर खेला जायेगा. समझा जाता है कि वरूण चक्रवर्ती और सुनील नारायण की फिरकी का सामना करने के लिये दिल्ली बल्लेबाजों की मददगार पिच नंबर छह पर खेल सकती है जिस पर उसने पंजाब किंग्स के खिलाफ 264 रन बनाये थे लेकिन जीत फिर भी नहीं मिली थी. इस पिच को चुनने की वजह बल्लेबाजों पर भरोसे की कमी है जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ सीम लेती पिच पर छह विकेट नौ रन पर गंवा बैठे थे. धीमी विकेट पर दिल्ली के बल्लेबाज गुजरात टाइटंस के राशिद खान या चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद और अकील हुसैन को नहीं खेल पाये थे. सुनील (इकॉनॉमी रेट 6.80) और वरूण (इकॉनॉमी रेट 8.88) के सामने पाथुम निसांका, समीर रिजवी या करूण नायर को मुश्किलें पेश आ सकती है. दिल्ली के लिये कुलदीप यादव का खराब फॉर्म भी चिंता का सबब है जो दस मैचों में दस से ऊपर की इकॉनॉमी रेट से सात ही विकेट ले सके हैं . ऐसे में बल्लेबाजों की मददगार विकेट पर खेलने के अलावा कोई चारा नहीं रह जाता. इससे खराब फॉर्म से जूझ रहे मेजबान बल्लेबाजों को बड़ा स्कोर बनाने का मौका मिलेगा. बाद में मिचेल स्टार्क और लुंगी एंगिडि से गेंदबाजी में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी. दूसरी ओर केकेआर का शीर्षक्रम भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका है. कप्तान अजिंक्य रहाणे (131.42 की स्ट्राइक रेट से 205 रन) और अंगकृष रघुवंशी (137.43 की स्ट्राइक रेट से 268 रन) अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके. रिंकू सिंह (145.39 की स्ट्राइक रेट से 245 रन) पर ही बल्लेबाजी का दारोमदार रहा है. दिल्ली के लिये केएल राहुल ने आईपीएल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 180 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाये हैं लेकिन दूसरी ओर अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज 200 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं. निसांका पर टीम प्रबंधन का लगातार भरोसा समझ से परे है जो नौ मैचों में 228 रन ही बना सके हैं. करूण नायर और नीतिश राणा फॉर्म में नहीं हैं. गेंदबाजी में मुकेश कुमार, टी नटराजन और अकीब नबी दर महंगे साबित हुए हैं. दिल्ली का कोई भी गेंदबाज दोहरे अंक में विकेट नहीं ले सका और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कप्तान अक्षर पटेल ने की है जिन्होंने 8.25 की इकॉनॉमी रेट से नौ विकेट चटकाये हैं.

टीमें : (दिल्ली कैपिटल्स) : अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, डेविड मिलर, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, साहिल पारख, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, अजय जादव मंडल, करुण नायर, टी नटराजन. **(कोलकाता नाइट राइडर्स)** : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजाराबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी. सार्थक रंजन, सौरभ दुबे.

तीरंदाजी विश्व कप

महिला टीम ने कोरिया को हराकर पदक पक्का किया, पुरूष टीम हारी

शंघाई: भारत का तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में बृहस्पतिवार को प्रदर्शन मिला जुला रहा जब महिला रिकर्व टीम ने रिकॉर्ड दस बार की ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया को सेमीफाइनल में हराकर पहला पदक पक्का किया लेकिन पुरूष टीम पहले दौर में बांग्लादेश से हार गई. महिला टीम की सदस्यों दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और कुमकुम मोहोद ने सेमीफाइनल में कोरिया को 5.1 से मात दी. अब उसका सामना स्वर्ण पदक के मुकाबले में रविवार को चीन से होगा. पुरूष रिकर्व टीम में तरूणदीप रॉय, धीरज बोम्मादेवरा और यशदीप भोगे थे जिन्हें बांग्लादेश ने 6.2 से मात दी. भारतीय महिला टीम ने लगातार तीन मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया. चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने छह तीरों में से चार पर 10 स्कोर किया और सिर्फ दो अंक गंवाकर पहला सेट 58.55 से जीता. दूसरे सेट में मुकाबला 56.56 से बराबर रहा लेकिन भारत ने 3.1 की बढत बना ली. मैच जीतने के लिये अब सिर्फ दो अंक की जरूरत थी और अगला सेट भारत ने 58.56 से अपने नाम किया. लेकिन कोरिया ने यहां अनुभवहीन टीम भेजी है क्योंकि उसका फोकस चार महीने बाद जापान में होने वाले एशियाई खेलों पर है. कोरियाई टीम में दो नये चेहरे ली युंजी और ओ येजिन थे जबकि मौजूदा विश्व चैम्पियन कांग चाएयंग एकमात्र अनुभवी तीरंदाज थी. इससे पहले भारतीय महिला टीम ने उजबेकिस्तान को पहले दौर में 6-2 (53-56, 57-54, 55-54, 55-51) से हराया. क्वार्टर फाइनल में तनावपूर्ण शूटआफ में वियतनाम पर 5. 4 से जीत दर्ज की. पुरूष टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसने पहला सेट 52.55 से गंवाया. दूसरे सेट में बांग्लादेश ने उसे 54.54 से बराबरी पर रोका. तीसरे सेट में दोनों टीमों का स्कोर 53 रहा. बांग्लादेश ने चौथा सेट 57.53 से जीता.

आईपीएल में बल्लेबाजों से आगे रहने के लिये गेंदबाजी में विविधता जरूरी : कृणाल पंड्या

लखनऊ: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के हरफनमौला कृणाल पंड्या ने कहा कि आईपीएल में बल्लेबाजों के आक्रामक प्रदर्शन के बीच प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिये गेंदबाजों को अपने हुनर में विविधता लानी होगी. पंड्या ने जियोस्टार से कहा, ''पिछले दस साल से अगर आईपीएल आपने करीब से देखा हो तो समझ में आयेगा कि लीग किस तरह बल्लेबाजों के आक्रामक प्रदर्शन की बानगी बन चुकी है. बल्लेबाजों की बड़े शॉट खेलने की क्षमता भी बदल गई है. नयी पीढी के बल्लेबाज आसानी से चौके छक्के लगा रहे हैं.'' उन्होंने कहा, ''एक गेंदबाज के तौर पर मेरा मानना है कि गेंदबाजी में विविधता लानी जरूरी है. बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहने की जरूरत है . ऐसे में बाउंसर्स और यॉर्कर अहम हो जाते हैं.'' उन्होंने कहा कि हेनरिच क्लासेन और श्रेयस अय्यर जैसे शानदार बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना चुनौतीपूर्ण होता है लेकिन हालात को भांपकर उसके अनुकूल ढलने से उन्हें काफी मदद मिली है. उन्होंने कहा, ''मैं हालात के अनुरूप गेंदबाजी करता हूं. कई बार आक्रामक गेंदबाजी की जरूरत होती है तो कई बार रन रोकने होते हैं. मेरा फलसफा सर्वश्रेष्ठ गेंद फेंकने का होता है. कई बार क्रीज पर कोई खतरनाक बल्लेबाज है और आपको विकेट चाहिये तो जोखिम लेना होता है. सब कुछ मैच हालात पर निर्भर करता है.''

भारत की निगाहें अंडर-17 महिला एशियाई कप में इतिहास रचने पर

सुजोऊ (चीन): एशिया की दो बड़ी टीम से हारने के बाद भारतीय टीम अब शुक्रवार को यहां एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप में लेबनान के खिलाफ 'करो या मरो' वाले मुकाबले में खेलने उतरेगी और उसे पता है कि इस मैच में जीत उसे पहली बार टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह दिला सकती है. ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया (0-2) और जापान (0-3) से हारने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि भारत को क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए अपने आखिरी मौके के रूप में अंतिम मैच में जीत दर्ज करनी होगी. भारत नॉकआउट चरण की दौड़ में बरकरार है क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाली दो टीम में से एक है. भारत का गोल अंतर अभी -5 (माइनस 5) है जो ग्रुप सी की टीम फिलीपींस (-13) और चीनी ताइपे (-14) से बेहतर है. ये दोनों टीमें आखिरी मैच के दिन एक-दूसरे से भिड़ेंगी. इसका मतलब है कि अगर भारतीय टीम लेबनान को हरा देती है तो ग्रुप सी की किसी भी टीम को भारत के गोल अंतर को पीछे छोड़ने के लिए बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी. इसके अलावा अगर बृहस्पतिवार शाम को वियतनाम और म्यांमा के बीच ग्रुप ए का मैच ड्रॉ पर खत्म होता है, या म्यांमा तीन से कम गोल के अंतर से जीतता है तो भारत अपनी जीत के साथ ही अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर लेगा, फिर चाहे ग्रुप सी का नतीजा कुछ भी हो. भारत 21 साल बाद अपना पहला एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप खेल रहा है और उसके लिए ग्रुप चरण से आगे बढ़ना एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी. भारत की मुख्य कोच पामेला कोंटी को उम्मीद है कि लेबनान के खिलाफ मुकाबला पिछले दो मैचों की तुलना में बिल्कुल अलग तरह की चुनौती पेश करेगा. इटली की कोंटी का मानना है कि मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाना होगा क्योंकि क्वालीफाई करने के लिए दोनों ही टीम को जीतना जरूरी है. पश्चिम एशिया की टीम लेबनान इस टूर्नामेंट में पहली बार हिस्सा ले रही है और उसने अपने अभियान की शुरुआत जापान से 0-13 की करारी हार के साथ की थी. इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 से शानदार ड्रॉ खेलकर एक अंक हासिल किया. भारतीय टीम को इस मैच की अहमियत का पूरा अंदाजा है. यह पीढ़ी दो दशकों से भी ज्यादा समय बाद भारत को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप में वापस ला रही है और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की संभावना एक और मील का पत्थर साबित होगी. यह साल भारतीय महिला फुटबॉल के लिए सीनियर, अंडर-20 और अंडर-17 तीनों ही स्तरों पर पहले से ही एक ऐतिहासिक साल रहा है. हालांकि इस साल की शुरुआत में सीनियर और अंडर-20 टीमें अपने वर्ग के टूर्नामेंट में शीर्ष आठ में जगह नहीं बना पाई थीं, लेकिन अब अंडर-17 टीम के पास यह कमाल कर दिखाने का सुनहरा मौका है. कोंटी ने कहा, ''अगर हम क्वालीफाई कर लेते हैं तो यह हर किसी के लिए और पूरे देश के लिए एक जबरदस्त उपलब्धि होगी. हमारा पूरा ध्यान देश को यह खुशी देने पर है. मैं उम्मीद करती हूं कि स्टाफ के लिए, हमारे लिए और विशेषकर खिलाड़ियों के लिए ऐसा हो जाए.''

बुमराह बहुत ज्यादा चीजें आजमा रहे हैं जबकि भुवी को स्पष्ट रणनीति का फायदा मिल रहा है: उमेश यादव

नयी दिल्ली: भारत के सीनियर तेज गेंदबाज उमेश यादव का कहना है कि जसप्रीत बुमराह बहुत ज्यादा चीजें आजमा रहे हैं और इसी वजह से इस इंडियन प्रीमियर लीग में उनका प्रदर्शन लगातार एक जैसा नहीं रहा है जबकि भुवनेश्वर कुमार अपनी स्पष्ट योजना के अलावा पावरप्ले और डेथ ओवर दोनों में अच्छा प्रदर्शन करने की काबिलियत की वजह से कामयाब रहे हैं. भुवनेश्वर आइपीएल के इस सत्र में अभी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए नौ मैच में 17 विकेट लिए हैं. वहीं मुंबई इंडियंस के बुमराह को इस सत्र में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है और उन्होंने 10 मैच में महज तीन विकेट लिए हैं. जियोस्टार के विशेषज्ञ उमेश ने कहा, ''भुवी और उनकी टीम की योजना स्पष्ट है. वह पावरप्ले और डेथ ओवर, दोनों में गेंदबाजी करते हैं और उनका रणनीति तय है. वह दोनों तरफ़ गेंद को स्विंग करा सकते हैं.'' उन्होंने कहा, ''भुवी अपनी लाइन एवं लेंथ और 'वैरिएशन' में लगातार एक जैसे रहते हैं जबकि बुमराह बहुत ज्यादा चीजें आजमा रहे हैं जिससे उनके लिए मुश्किलें खड़ी हो रही हैं.'' उमेश ने कहा, ''इस सत्र में मुंबई के लिए बुमराह का प्रदर्शन लगातार एक जैसा नहीं रहा है. कभी-कभी उन्हें पावरप्ले में गेंदबाजी करने के लिए कहा जाता है, तो कभी-कभी वह ऐसे हालात में गेंदबाज करने आते हैं, जब उन पर कोई दबाव नहीं होता. इसका असर उनके प्रदर्शन पर पड़ रहा है. टीम को बुमराह के लिए आक्रामक गेंदबाजी के मौके बनाने चाहिए और उन्हें विकेट लेने के मौके देने चाहिए.'' उमेश ने यह भी कहा कि ऋषभ पंत की फॉर्म की वजह से लखनऊ सुपर जायंट्स को काफ़ी नुकसान उठाना पड़ा है और टीम सही संयोजन मैदान पर उतारने में भी नाकाम रही है. उन्होंने कहा, ''यह पंत का फैसला है. उन पर जिम्मेदारी है और उन्हें ही फैसले लेने होंगे. पिछले दो साल में उनका और टीम का प्रदर्शन गिरा है. इस साल बल्लेबाजी में काफी उतार चढ़ाव रहा है.'' उमेश ने कहा, ''टीम का संयोजन सही नहीं बैठ रहा है. पंत की फॉर्म भी अच्छी नहीं है. निकोलस पूरन ने पिछले मैच में ही रन बनाए थे. उनके लिए कुछ भी ठीक से काम नहीं कर रहा है. इस साल बल्लेबाजी एक बड़ी समस्या है. टी20 में हर किसी को मिलकर योगदान देना होता है.'' उन्होंने कहा, ''उनका बल्लेबाजी क्रम एक जैसा नहीं है. आप बस कुछ ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं. आपको थोड़ा भरोसा रखना चाहिए और हर मैच में क्रम नहीं बदलना चाहिए. इसके लिए आपको बल्लेबाज के साथ बैठकर बात करनी होगी.'' प्लेऑफ के बारे में पूछे जाने पर उमेश ने कहा, ''पंजाब किंग्स, आरसीबी, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद शीर्ष चार की संभावित दावेदार हैं.''

शीर्ष वरीय खिलाड़ी आईटीएफ तुमकुरु ओपन के क्वार्टर फाइनल मे

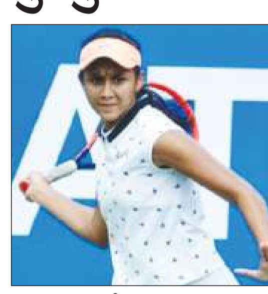

तुमकुरु (कर्नाटक): सभी शीर्ष वरीय खिलाड़ियों के बृहस्पतिवार को यहां अपने एकल मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचने से तुमकुरु ओपन आईटीएफ डब्ल्यू35 में रोमांचक मुकाबलों के लिए मंच तैयार हो गया. लिथुआनिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त जस्टिना मिकुलस्काइट ने पोलैंड की जुजाना कोलोनस के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए 0-6, 6-3, 6-1 से जीत दर्ज की. दूसरी वरीयता प्राप्त जुजाना पावलिकोवस्का ने भी भारत की सोनल पाटिल पर सीधे सेट में जीत दर्ज की जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त वैदेही चौधरी और चौथी वरीयता प्राप्त जील देसाई ने अपने मुकाबले जीतकर अंतिम आठ में भारत की मजबूत मौजूदगी सुनिश्चित की. वैदेही हमवतन मधुरिमा सावंत पर 6-2, 6-2 की जीत के दौरान पूरी तरह से नियंत्रण में दिखीं जबकि जील ने जेनिफर लुइखाम को 6-2, 6-3 से हराया. युगल में श्राव्या शिवानी चिलकलापुडी और जील ने लक्ष्मीसिरी दंडू और चेविका रेड्डी सामा की हमवतन भारतीय जोड़ी पर सीधे सेट में जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया. आकांक्षा दिलीप निट्टुरे और मिचिका ओजेकी की भारत-जापान की जोड़ी ने पहला सेट गंवाने के बाद दीवा भाटिया और जेनिफर लुइखाम को हराया. शीर्ष वरीयता प्राप्त वैदेही और जुजाना पावलिकोवस्का ने भी सोहा सादिक और मधुरिमा सावंत की भारत की जोड़ी पर शानदार जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि जेनिया लास्कुतोवा और एलिना नेप्लि ने भारत की ऐश्वर्या जाधव और आकृति नारायण

हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया सीरीज़ के लिए अंडर-18 पुरुष और महिला टीमों की घोषणा की

केतन कुशवाहा और स्वीटी कुजूर संभालेंगे कप्तानी, भोपाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाएगी चार मैचों की सीरीज़

भोपाल: हॉकी इंडिया ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली अंडर-18 सीरीज़ के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की 24 सदस्यीय टीमों की घोषणा कर दी. यह सीरीज़ 15 से 20 मई 2026 तक भोपाल स्थित उधव दास मेहता (भाई जी) साई सेंट्रल सेंटर में खेली जाएगी. चार मैचों की यह सीरीज़ 29 मई से 6 जून 2026 तक जापान के काकामिगहारा में आयोजित होने वाले पुरुष और महिला अंडर-18 एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है. राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के दौरान 42 खिलाड़ियों के प्रारंभिक समूह में से फिटनेस और सामरिक अनुकूलन क्षमता के आधार पर अंतिम 24 खिलाड़ियों का चयन किया गया. भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम की कप्तानी फॉरवर्ड खिलाड़ी केतन कुशवाहा को सौंपी गई है, जबकि महिला टीम की कमान स्वीटी कुजूर संभालेंगी. पुरुष टीम को पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी सरदार सिंह और रजनीश मिश्रा प्रशिक्षण दे रहे हैं. आगामी मुकाबलों को लेकर सरदार सिंह ने कहा, शिविर में एक उपयोगी सप्ताह बिताने के बाद हमने उन 24 खिलाड़ियों का चयन किया है जिन्हें हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार मानते हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये मुकाबले सिर्फ अभ्यास मैच नहीं हैं, बल्कि खिलाड़ियों के मानसिक संतुलन और सामरिक अनुशासन की बड़ी परीक्षा भी हैं. केतन मैदान पर स्वाभाविक नेता हैं और मैं देखना चाहता हूं कि यह टीम ऑस्ट्रेलियाई शैली के दबाव और गति का सामना कैसे करती है. महिला टीम पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही है. टीम चयन पर रानी ने कहा, हमने टीम को घटाकर 24 खिलाड़ियों तक सीमित किया है, जिन्होंने शिविर के दौरान सबसे अधिक निरंतरता और विकास दिखाया. स्वीटी के पास इस युवा टीम का नेतृत्व करने के लिए जरूरी अनुभव और दृष्टि है. भोपाल में ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ चार मैच खेलने से हमें अपनी ताकत और कमजोरियों का स्पष्ट आकलन मिलेगा. एशिया कप से पहले यह सीरीज़ टीम के लिए अंतिम बड़ी तैयारी है. **भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम: (गोलकीपर) :** सावन कुमार, आयुष रजक, विशाल बाड़ा. **(डिफेंडर) :** अंश बहुत्रा, आशीष तानी पूर्ति, अरमान सोरेंग, दीपकप्रकाश टोप्पो, करण गौतम, करण धनुक. **(मिडफील्डर) :** प्रेमचंद सोय, राहुल यादव, वरिंदर सिंह, रोमित पाल, अर्जनदीप सिंह, गुरसिमरनप्रीत सिंह, अर्शदीप सिंह, अवि मानिकपुरी. **(फॉरवर्ड) :** आकाश दीप, केतन कुशवाहा (कप्तान), शाहरुख अली, गाज़ी खान, प्रहलाद राजभर, सिद्धार्थ बेन, जैसन कंदुलना. **भारतीय अंडर-18 महिला टीम: (गोलकीपर) :** महक परिहार, हैरी, खिली कुमारी. **(डिफेंडर) :** सुगन सांगा, नीलम टोपनो, रूबीना बक्सला, किरण एक्का, दिव्या यादव, सुलोचनी. **(मिडफील्डर) :** श्रुति कुमारी, दिया, हर्षिता, रश्मीन कौर, लामिंगनबी अकोइजाम, नैन्सी सरोहा, टोंगब्रैम लांचेनबी देवी, स्नेहा दावड़े. **(फॉरवर्ड) :** नौशीन नाज़, स्वीटी कुजूर (कप्तान), प्रियंका मिंज, संदीपा कुमारी, नम्मी गीताश्री, प्रिंसेस प्रिया एक्का, पुष्पा मांझी.

न्यूज कॉर्नर

देवा गुर्जर हत्याकांड का आरोपी पिस्टल-कारतूस के साथ पकड़ा

चित्तौड़गढ़: चर्चित देवा गुर्जर हत्याकांड में जमानत पर चल रहे आरोपी कालूलाल गुर्जर को रावतभाटा थाना पुलिस ने अवैध पिस्टल और 5 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है. आरोपी लंबे समय से जेल में था और फिलहाल जमानत पर बाहर था. पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि देवा गुर्जर हत्याकांड के जमानत पर चल रहे आरोपियों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए थे. रावतभाटा थानाधिकारी संजीव स्वामी के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी. पुलिस टीम में एएसआई त्रिभुवनसिंह, कांस्टेबल दानवीर, मनीष, नरेश व रामावतार ने रावतभाटा क्षेत्र में निगरानी रखते हुए कार्रवाई की. इस दौरान 26 वर्षीय कालूलाल पुत्र भैरूलाल गुर्जर निवासी खेड़ारूदा थाना चेचट जिला कोटा के कब्जे से एक अवैध देशी पिस्टल व 5 जिंदा कारतूस जब्त किए. आरोपी कालूलाल को गिरफ्तार कर रावतभाटा थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है. पुलिस अवैध देशी पिस्टल व कारतूस की खरीद-फरोख्त के संबंध में अग्रिम अनुसंधान कर रही है. गौरतलब है कि आरोपी कालूलाल देवा गुर्जर हत्याकांड में लंबे समय तक जेल में रहा था और वर्तमान में जमानत पर बाहर था.

ऊंटों से भरा ट्रक पकड़ा, दम घुटने से दो ऊंटों की मौत, तीन आरोपी गिरफ्तार

डीडवाना-कुचामन: जिले के परबतसर थाना क्षेत्र में गोरक्षकों ने ऊंटों की कथित तस्करी कर रहे एक ट्रक को पकड़कर बड़ा खुलासा किया. ट्रक में 21 ऊंट और ऊंटनियों को बेहद अमानवीय तरीके से ठूंस-ठूंसकर भरा गया था. दम घुटने के कारण दो ऊंटों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शेष 19 ऊंटों को सुरक्षित मुक्त कराया गया. घटना 3 मई की देर रात किशनगढ़-हनुमानगढ़ मेगा हाईवे पर हुई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.जानकारी के अनुसार गौ रक्षा दल किशनगढ़ को सूचना मिली थी कि ऊंटों से भरा एक ट्रक परबतसर के रास्ते मेवात (हरियाणा) की ओर जा रहा है. सूचना पर सक्रिय हुए गोरक्षकों ने ट्रक को रुकवाया और उसमें सवार तीन आरोपियों को पकड़ लिया.ट्रक की तलाशी के दौरान तिरपाल के नीचे 21 ऊंट और ऊंटनियां बेहद खराब स्थिति में भरे हुए पाए गए. अत्यधिक भीड़ और ऑक्सीजन की कमी के चलते दो ऊंटों की दम घुटने से मौत हो चुकी थी.पुलिस के पहुंचने से पहले गोरक्षकों ने आरोपियों को साड़ी पहनाकर सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई और कथित रूप से उन्हें सड़क पर डांस भी करवाया. इस दौरान मौजूद लोगों ने वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया.घटना की सूचना पर परबतसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. पुलिस ने मेवात निवासी वसीम अकरम, मेरठ निवासी जिशान सहित तीन आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है. परबतसर थानाधिकारी सुमन बुंदेला के अनुसार तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है. मामले की विस्तृत जांच जारी है.

महंत ने श्रद्धालु पर तलवार से किया हमला, साधु सहित दो घायल

नागौर: जिले के मारवाड़ मूंडवा थाना क्षेत्र के खुड़खुड़ा गांव में बीती रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां धूणी स्थल के महंत ने एक श्रद्धालु पर तलवार से हमला कर दिया. हमले में श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बीच-बचाव करने आए एक साधु को भी चोटें आईं. घटना के बाद आरोपित महंत मौके से फरार हो गया. पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. खुड़खुड़ा गांव स्थित श्रीपंचदशनाम जुना अखाड़ा 14 गढ़ी महंत लक्ष्मणगिरी महाराज की धूणी पर बुधवार रात एक दिवंगत साधु के भंडारे का आयोजन चल रहा था. इस दौरान अन्य साधु-संतों और ग्रामीणों की मौजूदगी में वर्तमान महंत मंगलगिरी अपने कमरे से तलवार और पिस्टलनुमा हथियार लेकर बाहर आए और वहां बैठे लोगों पर हमला कर दिया.घायल श्रद्धालु छोटाराम माली ने बताया कि वह धूणी के पास बैठा हुआ था, तभी महंत मंगलगिरी पीछे से आए और उस पर तलवार से वार कर दिया. हमले में उसके सिर और सीने पर गंभीर चोटें आईं. वार के बाद वह बेहोश हो गया. घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे साधु ओंकारगिरी पर भी आरोपी ने हमला कर दिया, जिससे उनके सिर और हाथ में चोटें आईं.एएसआई जगदीश सिंह ने बताया कि घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मूंडवा सीएचसी में भर्ती कराया गया. गुरुवार सुबह मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपित की तलाश जारी है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित महंत मंगलगिरी और ग्रामीणों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था, जिसे हमले की मुख्य वजह माना जा रहा है.पुलिस ने घटना स्थल से सीसीटीवी फुटेज का डीवीआर कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है.

पदम सागर में डूबे 12वीं के छात्र के पिता ने लगाया सहपाठियों पर हत्या का आरोप

जोधपुर: शहर के पदमसागर तालाब में होली पर 12वीं का छात्र पानी में डूब गया था. वक्त घटना इस बारे में मर्ग की रिपोर्ट दी गई थी. छात्र अपने सहपाठियों संग पदम सागर तालाब पर नहाने के इरादे से गया था. उसे तैरना नहीं आता था और वह पानी में डूब गया था, मगर अब छात्र के पिता ने सहपाठियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए कोर्ट में इस्तगासे के माध्यम से खांडाफलसा थाने में रिपोर्ट दी है. पुलिस की तरफ से मर्ग में पहले ही जांच जारी है. अब हत्या के तहत जांच की जाएगी. हालांकि मामला प्रथम दृष्टया मर्ग का ही प्रतीत हुआ है. थानाधिकारी सुरेश पोटलिया ने बताया कि पृथ्वीपुरा रसाला रोड निवासी 12वीं के छात्र सागर वैष्णव की गत 4 मार्च को पदम सागर में डूबने से मौत हो गई थी. वह उस दिन अपने दो तीन दोस्तों संग परीक्षा खत्म होने के बाद पहले गंगश्याम जी मंदिर गए थे, बाद में वह लोग पदमसागर तालाब पर नहाने पहुंचे थे. उसके दो साथियों को तैरना आता था, जबकि सागर को नहीं आता था. साथियों ने उसे पानी में उतरने से मना भी किया था. मगर सागर ने फिर भी पानी में जंप लगा दी थी, चूंकि उसे तैरना नहीं आता था, ऐसे में वह पानी डूब गया. उसके साथी पानी से बाहर आ गए थे. काफी लंबी जंप से वह दूर गहरे पानी में चला गया था.

जहरीला पदार्थ निगलने से किशोरी की मौत

यमुनानगर: यमुनानगर शहर के रायपुर कॉलोनी क्षेत्र में एक किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ निगलने से मौत हो गई. तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया. पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है. मृतका की पहचान 17 वर्षीय महक के रूप में हुई है. परिजनों के अनुसार, मंगलवार रात परिवार के सभी सदस्य भोजन करने के बाद अपने-अपने कमरों में चले गए थे. कुछ समय बाद महक की अचानक तबीयत खराब होने लगी और उसे उल्टियां होने लगीं. परिवार के सदस्य पहले उसे नजदीकी क्लिनिक में ले गए, लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर उसे तुरंत सिविल अस्पताल यमुनानगर पहुंचाया गया. चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए भर्ती कर उपचार शुरू किया.बताया गया है कि अगले दिन भी उसकी स्थिति चिंताजनक बनी रही. लगातार इलाज के बावजूद गुरुवार तड़के उसकी मृत्यु हो गई. मृतका के पिता फरीद ने बताया कि उनकी बेटी आठवीं कक्षा तक पढ़ी थी और घर में किसी प्रकार का तनाव नहीं था. उन्होंने कहा कि परिवार को इस बात की जानकारी नहीं है कि उसने कौन सा पदार्थ सेवन किया और इसके पीछे क्या कारण था. सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की. जांच अधिकारी रमनदीप सिंह ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है.

चलते ट्रक में लगी आग, सीएनजी सिलेंडर फटने से धमाका

गुरुग्राम: गांव पलड़ा के पास गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक चलते हुए ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई. आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा ट्रक आग के गोले में तब्दील हो गया. कुछ ही देर बाद ट्रक में जोरदार धमाका हुआ और आसमान में काले धुंए के गुबार फैल गए. हालांकि ट्रक चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते ट्रक से कूदकर अपनी जान बचा ली. जानकारी के अनुसार ट्रक पलड़ा रोड से गुजर रहा था. इसी दौरान ट्रक से अचानक धुआं उठने लगा. चालक ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत ट्रक रोकने की कोशिश की और खुद बाहर कूद गया. चालक ने बताया कि ट्रक में सीमेंट बनाने के काम आने वाला ज्वलनशील केमिकल भरा हुआ था. केमिकल होने के कारण आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया. घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए. इसी बीच आग ने ट्रक में रखे सीएनजी सिलेंडर को भी अपनी चपेट में ले लिया. कुछ देर बाद सिलेंडर में जोरदार धमाका हुआ, जिसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी.

पाकिस्तान में कोई आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं, 'ऑपरेशन सिंदूर' अंत नहीं शुरुआत : भारतीय सेना

पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त किया गया, 11 एयरफील्ड को तबाह किया गया और 13 विमान मार गिराए गए

जयपुर: ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की नई रणनीतिक नीति का संकेत है. सेना ने दो टूक कहा कि अब पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है और ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ, बल्कि यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक लड़ाई की शुरुआत है.

जयपुर स्थित साउथ वेस्टर्न कमांड में गुरुवार को आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति, उपलब्धियों और उसके प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी. सेना ने इस अभियान को पिछले कई दशकों में पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत का सबसे व्यापक और समन्वित सैन्य अभियान बताया.

पत्रकार वार्ता में इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के डिप्टी चीफ (ऑपरेशन) लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए. मिनवाला, डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, डायरेक्टर जनरल एयर ऑपरेशन एयर मार्शल अवधेश कुमार तथा डायरेक्टर जनरल नेवल ऑपरेशन वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे. लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया कि 'आत्मनिर्भर भारत' केवल नारा नहीं, बल्कि भारत की सैन्य शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाली वास्तविक क्षमता है. उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए जा रहे 65 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण देश में ही निर्मित हो रहे हैं.राजीव घई ने कहा कि 7 मई, 2025 को शुरू हुए अभियान के दौरान भारतीय सेना ने सात और भारतीय वायु सेना ने दो प्रमुख आतंकी लक्ष्यों को निशाना बनाया था. इन कार्रवाइयों में आतंकवादी शिविरों को भारी क्षति पहुंची और 100 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई. उन्होंने दावा किया कि नियंत्रण रेखा पर बाद में हुई झड़पों में पाकिस्तान के 100 से अधिक सैनिक भी मारे गए. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने लंबे समय तक आतंकवादी ढांचे को सुरक्षित समझा, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने यह धारणा पूरी तरह तोड़ दी. आतंकवादी कैंपों का स्थान बदलते रहने और उन्हें सीमा से भीतर खिसकाने की कोशिशों के बावजूद भारतीय सेना की पहुंच और क्षमता पर कोई असर नहीं पड़ा. प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजीव घई ने प्रसिद्ध शायर दुष्यंत कुमार की पंक्तियां उद्धृत करते हुए कहा सिर्फ हंगामा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए. उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा. राजीव घई ने कहा कि भारत ने अपने स्पष्ट रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के बाद संघर्ष को अनावश्यक रूप से लंबा नहीं खींचा. उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहे युद्धों ने यह दिखाया है कि लंबे संघर्ष किस प्रकार विनाशकारी हो सकते हैं. भारत ने संतुलित लेकिन तीव्र कार्रवाई के माध्यम से पाकिस्तान की जोखिम लेने की क्षमता और इच्छा दोनों को प्रभावित किया.

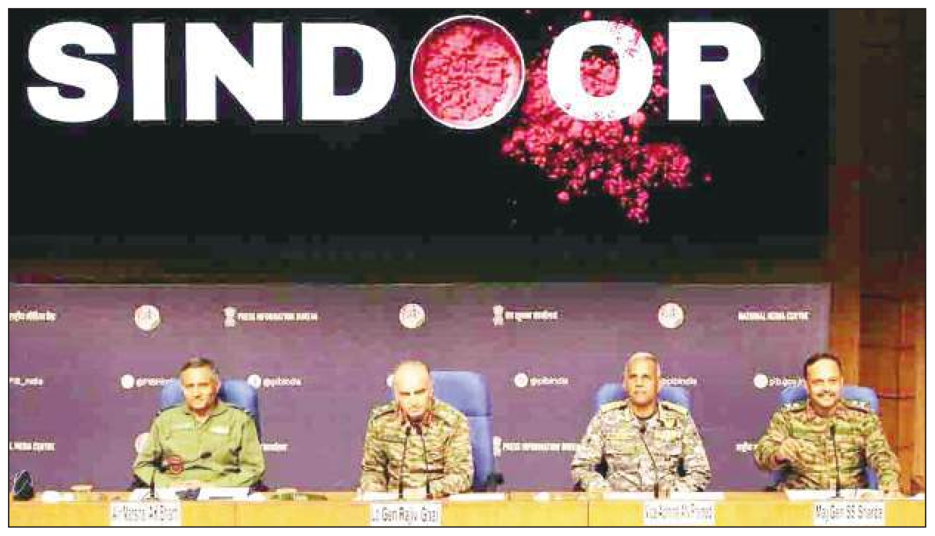

एयर मार्शल अवधेश कुमार ने कहा कि भारत हमेशा जियो और जीने दो के सिद्धांत में विश्वास करता है, लेकिन जब शांति की इच्छा को कमजोरी समझा जाए और संयम को निष्क्रियता माना जाए, तब निर्णायक कार्रवाई आवश्यक हो जाती है. उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य पूरी तरह स्पष्ट था और इसमें किसी प्रकार की नरमी की गुंजाइश नहीं रखी गई. उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में सक्रिय आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया गया. भारतीय सेनाओं ने संयुक्त रूप से बेहद संतुलित, सटीक और प्रभावी सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया. एयर मार्शल ने कहा कि 7 मई 2025 की तड़के जब पहला लक्ष्य भेदा गया, तब वह भारत की सामूहिक शक्ति और संकल्प का सीधा संदेश था, जो दुश्मन की धरती तक पहुंचा.

एयर मार्शल ने दावा किया कि ऑपरेशन के दौरान भारत के किसी सैन्य या नागरिक ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचा. उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं ने सभी हमलों को प्रभावी ढंग से निष्क्रिय कर दिया. उन्होंने बताया कि इस अभियान में पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त किया गया, 11 एयरफील्ड को तबाह किया गया और 13 विमान मार गिराए गए. इनमें एक एयर वार्निंग विमान भी शामिल था, जिसे 300 किलोमीटर से अधिक दूरी से निशाना बनाया गया. उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई के सभी प्रमाण दुनिया के सामने रखे जा चुके हैं. भारतीय सेना की कार्रवाई केवल जवाबी हमला नहीं थी, बल्कि यह राष्ट्रीय आत्मरक्षा का सशक्त उदाहरण थी.

वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने बताया कि 6 और 7 मई की रात भारतीय नौसेना ने भी सेना और वायुसेना के साथ मिलकर आतंकवादी ढांचे पर सटीक हमले किए. उन्होंने कहा कि नौसेना की अग्रिम तैनाती के कारण पाकिस्तान की नौसैनिक और वायु इकाइयों को रक्षात्मक मुद्रा अपनाने पर मजबूर होना पड़ा. अधिकांश पाकिस्तानी सैन्य संसाधन अपने बंदरगाहों तक सीमित हो गए या तटरेखा के आसपास ही सक्रिय रह पाए. उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत किसी भी उकसावे का जवाब संतुलित, रणनीतिक और निर्णायक बल प्रयोग से देने में सक्षम है. साथ ही यह भी साबित हुआ कि आतंकवादी ढांचे और उन्हें संरक्षण देने वाली सैन्य संरचनाओं को बेहद कम समय में प्रभावी ढंग से निशाना बनाया जा सकता है.

मोदी सरकार ने श्रमिकों को दिया सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार : कृष्ण पाल गुर्जर

फरीदाबाद: केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि श्रमिक देश की प्रगति का आधार हैं और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि वे स्वस्थ रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें. श्री गुर्जर गुरुवार को ईएसआईसी द्वारा आयोजित नि:शुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम के पैन-इंडिया शुभारंभ अवसर पर उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे. केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि पहला सुख निरोगी काया की भावना के तहत ईएसआईसी ने 40 वर्ष से अधिक आयु के कामगारों के लिए विशेष वार्षिक स्वास्थ्य जांच अभियान शुरू किया है. इसके अंतर्गत सीबीसी, एलएफटी, केएफटी, टीएसएच, ब्लड शुगर, ईसीजी और चेस्ट एक्स-रे जैसी महत्वपूर्ण जांचें नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं. उन्होंने कहा कि समय पर बीमारियों की पहचान से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को रोका जा सकता है.

कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा द्वारा ऐसी व्यवस्था की गई है कि प्रतिदिन कम-से-कम 300 बीमाकृत व्यक्ति स्वास्थ्य जांच करा सकें. बीमित व्यक्तियों की संख्या 2 करोड़ से बढ़कर 4 करोड़ हो गई है तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का कवरेज 19 प्रतिशत से बढ़कर 64 प्रतिशत से अधिक हो चुका है. उन्होंने कहा कि चारों श्रम संहिताओं से पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशिता सुनिश्चित हुई है.

सिरसा में आयकर विभाग ने तीन कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी

सिरसा: आयकर विभाग की अलग-अलग टीमों ने गुरुवार को जिले में तीन कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई की. बताया जा रहा है कि विभागीय टीमें सुबह सिरसा पहुंची और पांच घंटे तक दस्तावेजों की गहन जांच की. सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई जीएसटी चोरी से जुड़े मामले में की गई है. हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है.

विभाग की टीमों ने सिरसा में व्यापारी सुभाष गोयल, ललित व सुशील साहुवाला के आवास पर एक साथ छापामार कार्रवाई की. बताया जा रहा है कि इन कारोबारियों का पहले दिल्ली में कारोबार था और जीएसटी अनियमितताओं से जुड़े मामलों में जांच चल रही है. इसी कड़ी में सिरसा में भी यह कार्रवाई की गई है. विभागीय टीमों ने करीब पांच घंटे तक रिकॉर्ड और दस्तावेजों की गहन जांच की.

तीनों नगर निगमों में कांग्रेस की जीत पक्की: हुड्डा

सोनीपत: मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में कहा कि नगर निगम चुनाव में जनता इस बार सत्ताधारी दल को सबक सिखाएगी. बैठक में हरियाणा कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद भी मौजूद रहे. हुड्डा ने दावा किया कि तीनों नगर निगमों में कांग्रेस के मेयर बनेंगे और पार्टी को बड़ी जीत मिलेगी. गुरुवार को बैठक में हुड्डा ने कहा कि पिछले 12 साल में राज्य में विकास की रफ्तार थम गई है.

उनके अनुसार वर्ष 2014 से पहले हरियाणा कई मानकों पर अग्रणी था, लेकिन अब अपराध, बेरोजगारी, महंगाई और प्रदूषण बढ़े हैं. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के सामाजिक प्रगति सूचकांक में हरियाणा को असुरक्षित राज्यों में गिना गया है. स्थानीय निकाय चुनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई शहरों में सफाई व्यवस्था कमजोर है और सफाईकर्मियों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया. हुड्डा ने कांग्रेस के मेयर उम्मीदवार कमल दीवान और सभी पार्षद उम्मीदवारों के समर्थन में वोट की अपील की. उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हर बूथ पर पूरी ताकत से जुटकर पार्टी की जीत सुनिश्चित करें. बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर चुनाव लड़ने का संकल्प दोहराया. कांग्रेस हरियाणा के प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव लड़ रही है और जनता के बीच सरकार की नाकामियों को मुद्दा बनाया जा रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरे राज्यों में धार्मिक और भावनात्मक मुद्दों के सहारे वोट जुटाए गए. उनके अनुसार पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में वोट प्रभावित हुए, जिसे लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं माना जा सकता. हरिप्रसादने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान कई स्मार्ट सिटी विकसित की गईं, जबकि वर्तमान सरकारके लंबे कार्यकाल में नई स्मार्ट सिटी नहीं बनीं. बैठक के अंत में नेताओं ने कहा किकार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करें और मतदान के दिन अधिक से अधिक लोगों को मतदान केंद्र तक लाने का प्रयास करें. बैठक शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई और आगामी चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा की गई.

जल जीवन मिशन घोटाले में पूर्व मंत्री महेश जोशी गिरफ्तार

जेजेएम घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में एसीबी कोर्ट ने 11 मई तक रिमांड पर भेजा

जयपुर: राजस्थान के बहुचर्चित जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए तत्कालीन पीएचईडी मंत्री महेश जोशी को गिरफ्तार किया है. एसीबी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने उन्हें जयपुर स्थित आवास से हिरासत में लेकर एसीबी कोर्ट में पेश किया. अदालत ने उन्हें 11 मई तक एसीबी रिमांड पर भेज दिया.एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि जल जीवन मिशन में हजारों करोड़ रुपये के टेंडरों में व्यापक भ्रष्टाचार, टेंडर फिक्सिंग और फर्जी दस्तावेजों के जरिए अनुचित लाभ पहुंचाने का मामला सामने आया है. जांच में यह भी सामने आया कि फर्जी कार्य पूर्णता प्रमाण पत्रों के आधार पर करीब 960 करोड़ रुपये के टेंडर हासिल किए गए. गुप्ता ने बताया कि जांच में सामने आया कि मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवैल कंपनी के प्रोपराइटर महेश मित्तल और मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवैल कंपनी के प्रोपराइटर पदमचंद जैन ने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के फर्जी प्रमाण पत्र तैयार किए. इन दस्तावेजों के आधार पर विभिन्न टेंडर हासिल किए गए.एसीबी का आरोप है कि तकालीन मंत्री महेश जोशी ने तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव पीएचईडी सुबोध अग्रवाल, मुख्य अभियंताओं, अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं, संवेदकों और निजी व्यक्तियों के साथ मिलीभगत कर यह पूरा खेल रचा. जांच में यह भी सामने आया कि 50 करोड़ रुपये से अधिक के मेजर प्रोजेक्ट्स में साइट विजिट प्रमाण-पत्र की बाध्यता को नियमों के विपरीत निविदाओं में शामिल किया गया. इससे बोलीदाताओं की पहचान उजागर हुई और टेंडर पुलिंग को बढ़ावा मिला. एसीबी के अनुसार इस प्रक्रिया के चलते 30 से 40

प्रतिशत तक अत्यधिक टेंडर प्रीमियम मिला. जिन टेंडरों में अनियमितता सामने आई उनकी कुल राशि करीब 20 हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है.

प्रकरण में अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है. इनमें महेश जोशी तत्कालीन मंत्री पीएचईडी विभाग, सुबोध अग्रवाल सेवानिवृत्त आईएएस एवं तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव,दिनेश गोयल हाल मुख्य अभियंता प्रशासन, के.डी. गुप्ता हाल मुख्य अभियंता ग्रामीण,सुभांशु दीक्षित तत्कालीन सचिव आरडब्ल्यूएसएसएमटी एवं हाल अतिरिक्त मुख्य अभियंता जयपुर क्षेत्र-द्वितीय, सुशील शर्मा हाल वित्तीय सलाहकार अक्षय ऊर्जा,नीरज कुमार हाल मुख्य अभियंता चूरू, विशाल सक्सेना अधिशाषी अभियंता (निलंबित),अरुण श्रीवास्तव अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सेवानिवृत्त),डी.के. गौड़ तत्कालीन मुख्य अभियंता एवं तकनीकी सदस्य (सेवानिवृत्त), महेंद्र प्रकाश सोनी तत्कालीन अधीक्षण अभियंता (सेवानिवृत्त) और मुकेश पाठक निजी व्यक्ति शामिल है और वहीं इस मामले में मुकेश गोयल तत्कालीन अधीक्षण अभियंता,जितेंद्र शर्मा, तत्कालीन अधिशाषी अभियंता और संजीव गुप्ता निजी व्यक्ति फरार हैं. इनके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किए जा चुके हैं और उद्घोषित अपराधी घोषित करने की कार्रवाई जारी है.

डीआईजी डॉ. रामेश्वर सिंह के नेतृत्व में एसीबी एसआईटी सुबह करीब साढ़े चार बजे जयपुर रेलवे स्टेशन के पास सैन कॉलोनी स्थित महेश जोशी के आवास पहुंची. उस दिन उनकी शादी की सालगिरह थी और मंदिर दर्शन का कार्यक्रम था. एसीबी टीम ने उन्हें हिरासत में लेने से पहले स्नान और पास स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक की अनुमति दी.

रिश्ते के दादा ने नाबालिग पोती से किया दुष्कर्म

जींद: गढ़ी थाना क्षेत्र में रिश्ते के दादा द्वारा नाबालिग लड़की को नशीली गोलियां खिला दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है. गढ़ी थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपित दादा के खिलाफ दुष्कर्म करने सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. टोहाना क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग लड़की ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गढ़ी थाना इलाका गांव का सुरेंद्र उसका रिश्ते में दादा लगाता है. जो कुत्ते बेचने तथा खरीदने का काम करता है. वह कुत्तों की खरीद-फरोख्त को लेकर उसके साथ जाया करती थी. इसी सिलसिले में वह वह दादा सुरेंद्र के साथ उसके गांव गढ़ी थाना गई थी. उस दौरान उसके घर पर कोई नही था. तब सुरेंद्र के कहने पर कुछ गोलियां खा ली. जिसके बाद उसे गहरी नींद आ गई. जब काफी समय के बाद सोकर उठी तो उसे दर्द महसूस हुआ. पीड़िता ने आरोप लगाया कि सुरेंद्र ने उसे नशे की गोलियां देकर उसके साथ दुष्कर्म किया है. सुरेंद्र ने उसे घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी. घर लौट कर पीड़िता ने अपने परिजनों को घटना के बारे में अवगत करवाया. जिसकी सूचना टोहाना पुलिस को दी गई. गुरूवार को जानकारी देते हुए गढ़ी थाना की जांच अधिकारी सुनीता ने बताया कि पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपित रिश्ते के दादा सुरेंद्र के खिलाफ दुष्कर्म, पोक्सो समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

सुडोकू–41

			8	5	4			3
1	5	4						7
		9	1		2		4	6
6	8							9
		2				4		
4							6	2
9	4		6		7	1		
7						2	9	4
5			4	9	3			

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.
उत्तर अगले अंक में

सुडोकू -40 का उत्तर

5	9	7	1	8	2	6	3	4
4	1	8	6	3	9	7	5	2
3	6	2	4	7	5	8	9	1
1	7	5	9	4	6	2	8	3
9	8	6	7	2	3	1	4	5
2	3	4	5	1	8	9	6	7
8	5	1	2	9	4	3	7	6
7	4	3	8	6	1	5	2	9
6	2	9	3	5	7	4	1	8

युवा शक्ति माथापच्ची- 62

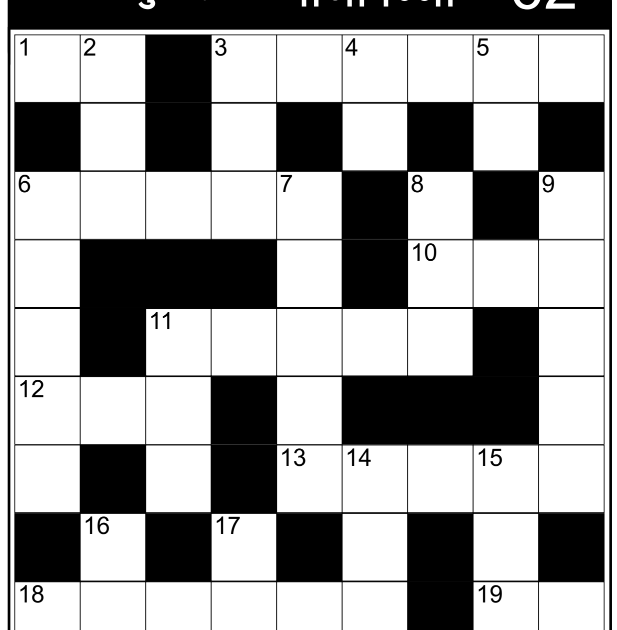

● **बाएं से दाएं**
1. मामा के पिता, 3. जनता की सरकार में विश्वास रखने वाला, 6. धतूरे का बीज, 10. आसानी से मिलने वाला, 11. एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना, 12. इच्छा, 13. माथा झुकाकर प्रणाम करना, 18. जल देने वाला, 19. जुड़वां, मृत्युदेव, अच्छा, स्तर वाला, 16. क्षण, दम, 17. सीधा, सरल, साधारण,

● **ऊपर से नीचे**
2. सर्पिनी, 3. घेरेदार, रस से सराबोर तली हुई मिठाई, 4. दुखी, संकरा, 5. घर, गंध, 6. कल्याण या भलाई वाला, 7. निर्वासन, 8. चुगली करने वाला, 9. फायदेमंद, 11. शरण, 14. तालाब, 15.

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 61 का हल

शुभेंदु के सहयोगी की हत्या से बंगाल में चुनाव बाद हिंसा की आशंका बढ़ी

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का नतीजा सत्ता परिवर्तन के रूप में सामने आने के महज 48 घंटे बाद वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या ने राज्य को ऐसी स्थिति में धकेल दिया है जहां चुनाव बाद की हिंसा के लोकतांत्रिक परिवर्तन पर भारी पड़ने का खतरा पैदा हो गया है. भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद छिटपुट झड़पों के रूप में जो शुरू हुआ था, वह अब तेजी से एक बड़े टकराव का रूप ले चुका है, जिसमें भय, प्रतिशोध का विमर्श और राजनीतिक रूप से संवेदनशील जिलों में क्षेत्रीय वर्चस्व की लड़ाई शामिल है. बंगाल में अपनी पहली सरकार बनाने की तैयारी कर रही भाजपा के लिए यह हत्या एक चुनौती होने के साथ-साथ एक राजनीतिक अवसर भी है. चुनौती भावनात्मक रूप से आवेशित भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से जवाबी हिंसा को रोकने की है जबकि अवसर भगवा खेमे के लंबे समय से चले आ रहे इस आरोप को पुष्ट करने का है कि तृणमूल शासन के तहत धमकियां, लक्षित हमले और मजबूत स्थानीय सत्ता नेटवर्क बंगाल की राजनीति में हिंसा की संस्कृति को दर्शाते रहे हैं. घटना को पूर्व नियोजित बताते हुए, अधिकारी ने आरोप लगाया कि उनके करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की मध्यग्राम में गोली मारकर हत्या करने से पहले कई दिन तक उनकी रेकी की गई. बुधवार देर रात अस्पताल पहुंचने के बाद अधिकारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, यह दिल दहला देने वाला है. उन्होंने उसका पीछा किया और उसे मार डाला. उन्होंने इसके साथ ही समर्थकों से अपील की कि वे कानून को अपने हाथ में न लें. इस अपील से ही भाजपा नेतृत्व के भीतर व्याप्त चिंता का व्यापक स्वरूप झलकता है. हत्या के कुछ ही घंटों के भीतर, जिलों में पार्टी के संगठनात्मक नेटवर्क के माध्यम से, विशेष रूप से उत्तर 24 परगना और पूर्वी मेदिनीपुर में, जहां अधिकारी का काफी प्रभाव है, आक्रोश तेजी से फैल गया. भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने निजी तौर पर इस बात की आशंका जताई कि अगर इस स्थिति को राजनीतिक रूप से नियंत्रित नहीं किया गया तो इससे स्वतःस्फूर्त प्रतिशोध भड़क सकता है. पार्टी के एक नेता ने कहा, यह हत्या का कोई सामान्य मामला नहीं है. यह राजनीतिक आतंकवाद है. उन्होंने पुरानी व्यवस्था पर नयी सरकार के सत्ता संभालने से पहले भय का माहौल पैदा करने की कोशिश का आरोप लगाया गया. रथ कोई साधारण कार्यकर्ता नहीं थे, बल्कि भाजपा की चुनाव मशीनरी में गहराई से शामिल व्यक्ति थे. वह बंगाल में पार्टी के प्रमुख रणनीतिकार और तृणमूल कांग्रेस विरोधी सबसे जुझारू चेहरे शुभेंदु अधिकारी के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए थे. राजनीतिक विश्लेषक सुभोमोय मोइत्रा ने कहा, यह बंगाल की राजनीति का सबसे संवेदनशील दौर है - एक शासन के पतन और दूसरे के सत्ता में आने के बीच का समय. इस दौरान होने वाली हर हिंसक घटना प्रतीकात्मक महत्व रखती है. चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद से कई जिलों से पार्टी कार्यालयों पर हमले, तोड़फोड़, धमकी और झड़पों की खबरें सामने आई हैं. मध्यग्राम में हुई हत्या से जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के बीच असुरक्षा की भावना बढ़ने और उत्तर 24 परगना, नदिया, हुगली तथा पूर्वी मेदिनीपुर जैसे जिलों में ध्रुवीकरण गहराने की आशंका है, जहां हाल के वर्षों में राजनीतिक निष्ठाओं में तेजी से बदलाव आया है. वहीं, एक अन्य विश्लेषक ने कहा, खतरा यह है कि हिंसा स्वतःस्फूर्त होती है. हर हमला प्रतिशोध के लिए एक और औचित्य प्रदान करता है. भाजपा इस घटना को न केवल एक आपराधिक कृत्य के रूप में बल्कि इस बात के सबूत के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश कर रही है कि निवर्तमान सत्ताधारी तंत्र के कुछ वर्ग सत्ता हस्तांतरण को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं. इस हत्या से भाजपा के भीतर उन आवाजों को भी मजबूती मिल सकती है जो शपथग्रहण समारोह के तुरंत बाद राजनीतिक रूप से अस्थिर क्षेत्रों में त्वरित पुलिस फेरबदल, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और आक्रामक कार्रवाई की वकालत कर रही हैं. स्थिति पर एक राजनीतिक विश्लेषक ने टिप्पणी की, भाजपा का संदेश स्पष्ट है; वे इसे एक ढहती हुई व्यवस्था के अंतिम प्रतिरोध के रूप में चित्रित करना चाहते हैं. साथ ही, भाजपा नेतृत्व के सामने एक नाजुक संतुलन बनाए रखने की चुनौती है. हालांकि, पार्टी सार्वजनिक रूप से आक्रामक रुख अपना रही है, लेकिन वह इस बात से अवगत है कि स्थानीय कैडर नेटवर्क के अनियंत्रित प्रतिशोध से नए प्रशासन के औपचारिक रूप से कार्यभार संभालने से पहले ही अस्थिरता और गहरी हो सकती है. तृणमूल कांग्रेस के लिए, यह घटना एक खतरनाक राजनीतिक जाल की तरह है. पार्टी ने हत्या की निंदा की और अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की, साथ ही यह आरोप भी लगाया कि चुनाव के बाद हुई झड़पों में उसके कई कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया है. हालांकि, भाजपा ने हत्या के इर्द-गिर्द खुद के पीड़ित होने का विमर्श सफलतापूर्वक मजबूत कर लिया है. यह स्थिति तृणमूल कांग्रेस के लिए विशेष रूप से समस्या पैदा करने वाली है, ऐसे समय में जब वह चुनावी हार के बाद संगठनात्मक क्षरण की धारणाओं से पहले से ही जूझ रही है. पिछले कुछ वर्षों में, अधिकारी ने खुद को बंगाल की राजनीति में भाजपा के जमीनी स्तर के प्रमुख लड़ाके के रूप में स्थापित किया है, और तृणमूल कांग्रेस के साथ लगातार टकराव के माध्यम से अपनी छवि बनाई है. अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या से भाजपा का रुख और भी सख्त होने की संभावना है तथा आने वाले दिनों में पार्टी का राजनीतिक संदेश और भी तीव्र हो सकता है.

अपने काम से जनता का प्रेम और विश्वास हासिल करने की कोशिश करूंगा : निशांत कुमार

पटनाः बिहार में सम्राट चौधरी कैबिनेट का विस्तार हो गया है. नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार भी सम्राट कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ ली है. मंत्री पद की शपथ लेने के बाद निशांत पहली बार मीडिया से मुखातिब हुए. जदयू प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने अपना लक्ष्य बताया. निशांत ने कहा कि मुझे यह जो दायित्व मिला है, मैं इसे पूरी ईमानदारी के साथ निभाने की कोशिश करूंगा. मेरी कोशिश होगी कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में बिहार के विकास के लिए जो काम किया वह आगे भी जारी रहे. उन्होंने राज्य की जनता से जो वादे किए उन वादों को पूरा करने की कोशिश करूंगा. उन्होंने कहा कि जो दायित्व मिलेगा उसे पूरी ईमानदारी के साथ निभाने की कोशिश करूंगा और अपने काम से जनता का प्रेम और विश्वास हासिल करने की कोशिश करूंगा. निशांत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आशीर्वाद दिया और कहा कि ठीक से काम करो. अभी जो सेटेलाइट टाउनशिप जो बात चल रही है, उसमें युवाओं को मौका दिया जाएगा. हमने पहले भी पांच साल में एक करोड़ लोगों को रोजगार देने का वादा किया था. बिहार में बाहर से कंपनियां आ रही हैं और जिलों में उद्योग को स्थापित किया जा रहा है.

तृणमूल ने बंगाल में 'माफिया संस्कृति' को बढ़ावा दिया: शहजाद पूनावाला

नई दिल्लीः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या के बाद बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस पर ''माफिया संस्कृति'' और ''महाजंगल राज'' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया. भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद की हिंसा संस्थागत रूप ले चुकी है और दावा किया कि जब भी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को चुनावों में शिकस्त मिलती है, भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को निशाना बनाया जाता है. पूनावाला ने आरोप लगाया, शुभेंदु अधिकारी जी के पीए की हत्या टीएमसी द्वारा पिछले 15 वर्षों में स्थापित महाजंगल राज का परिणाम है.

चुनाव बाद की हिंसा को जिस तरह से संस्थागत बना दिया गया है, चाहे वह 2021 में हो या अब, वह लक्षित हत्या को प्रदर्शित करता है. शुभेंदु अधिकारी जी के पीए की जान लेने की साजिश रची गई थी. उन्होंने दावा किया कि अब तक सामने आये सबूत एक साजिश की ओर इशारा करते हैं. भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि चुनावी हार को लेकर टीएमसी की ''हताशा'' भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ लक्षित हमलों का कारण बन रही है. वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने हत्या की निंदा की और अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की. भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने इस घटना को सुनियोजित राजनीतिक हत्या बताया और दावा किया कि इसका मकसद राज्य में अस्थिरता पैदा करना है. उन्होंने बारासात अस्पताल में संवाददाताओं से कहा, यह एक लक्षित हमला था. इस अस्पताल में रथ का पोस्टमार्टम किया गया. बुधवार को उत्तर 24 परगना जिले के बसीरहाट इलाके में भाजपा नेता रोहित रॉय की गोली मारकर हत्या किये जाने का जिक्र करते हुए, पूनावाला ने आरोप लगाया कि इस घटना से टीएमसी की ''माफिया संस्कृति'' और भी उजागर होती है. पूनावाला ने इस मुद्दे पर कांग्रेस समेत विपक्षी दलों की चुप्पी पर भी सवाल उठाया. उन्होंने कहा, यह दुखद है कि संविधान की बात करने वाली कांग्रेस पार्टी और अन्य दल, टीएमसी की निंदा नहीं कर रहे हैं. टीएमसी माफिया संस्कृति का अड्डा बन गई है. इस बीच, तृणमूल कांग्रेस ने एक बयान में कहा कि लोकतंत्र में हिंसा और राजनीतिक हत्याओं का कोई स्थान नहीं है तथा दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए. पार्टी ने कहा कि पिछले तीन दिनों में कथित तौर पर भाजपा समर्थित उपद्रवियों द्वारा की गई चुनाव बाद की हिंसा की अलग-अलग घटनाओं में उसके तीन कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई.

चुनाव बाद 5 राज्यों से हटाई गई आदर्श आचार संहिता, पश्चिम बंगाल की फलता सीट पर जारी रहेगी

नई दिल्लीः चुनाव आयोग ने असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों तथा विभिन्न राज्यों की विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के बाद गुरुवार को आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) को तत्काल प्रभाव से हटाए जाने की घोषणा की है. आयोग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, संबंधित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद आदर्श आचार संहिता समाप्त हो गई है. हालांकि पश्चिम बंगाल की 144-फलता विधानसभा सीट पर आयोग द्वारा पुनर्मतदान का आदेश दिए जाने के कारण वहां आचार संहिता प्रभावी रहेगी. चुनाव आयोग ने यह आदेश कैबिनेट सचिव, संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को भेजा है. आदेश में कहा गया है कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ लागू होने वाली आचार संहिता चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावी रहती है.

सामाजिक सद्भाव से ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण : डॉ. मोहन भागवत

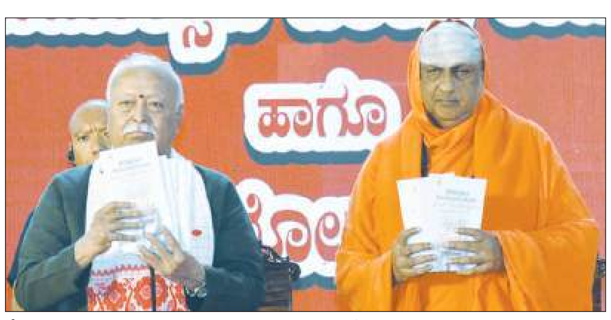

मैसूरः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मत है कि समाज में सद्भाव, परस्पर विश्वास और सेवा की भावना विकसित होने पर ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है. कर्नाटक के मैसूर में जेएसएस महाविद्यापीठ द्वारा सुत्तूर मठ परिसर में आयोजित सुवर्ण महोत्सव विशेष व्याख्यानमाला में गुरुवार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, सामाजिक सद्भाव राष्ट्र की प्रगति का प्रमुख आधार है. समाज विभाजित होने पर राष्ट्र कमजोर हो जाता है और समाज एकजुट होने पर देश अजेय बन जाता है. संघ प्रमुख ने उपस्थित विद्त जनों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत हजारों वर्षों की संस्कृति, मूल्यों और परंपराओं वाला देश है. भाषा, रीति-रिवाज और परंपराओं में विविधता होने के बावजूद भारतीय समाज को जोड़ने वाली शक्ति उसकी संस्कृति में निहित है. भारत की शक्ति विविधता में एकता है. सभी को साथ लेकर चलने की भावना हमारी परंपरा है. समाज में जाति, वर्ग, क्षेत्र और भाषा के आधार पर होने वाले भेदभाव को समाप्त किया जाना चाहिए. प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान मिलना चाहिए. सेवा और सहयोग की भावना से समाज मजबूत बनता है. उन्होंने कहा कि परिवार व्यवस्था भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत है. परिवार में संस्कार, मूल्य और जिम्मेदारी की भावना विकसित होने पर बेहतर समाज का निर्माण संभव है. युवाओं को केवल रोजगार के लिए शिक्षा प्राप्त नहीं करनी चाहिए, बल्कि देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि भारत के विकास को केवल आर्थिक प्रगति से नहीं मापा जा सकता. समाज में नैतिकता, अनुशासन और भाईचारे की भावना बढ़ने पर ही वास्तविक विकास संभव है. कार्यक्रम में सुत्तूर मठ के श्री शिवरात्रि देशिकेंद्र महास्वामीजी उपस्थित थे. इस अवसर पर सद्गुरु मधुसूदन साई की 'आत्मनो मोक्षार्थं जगत हिताय च' पुस्तक का विमोचन भी किया गया. व्याख्यान कार्यक्रम में शिक्षा क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति, छात्र, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में गण्यमान्य जन उपस्थित थे.

बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी की हत्या चिंताजनक : रेखा गुप्ता

नई दिल्लीः दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या पर बृहस्पतिवार को चिंताई जताई और कहा कि पार्टी के एक भी कार्यकर्ता का बलिदान व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा. गुप्ता ने कहा कि बंगाल में शांति, सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है. गुप्ता ने 'एक्स' पर कहा, बंगाल में हाल की घटनाएं बेहद दुखद और चिंताजनक हैं. हमारे वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी जी के सहयोगी की हत्या कानून व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर गंभीर चिंता पैदा करती है. राजनीतिक मतभेदों के बीच हिंसा की कोई जगह नहीं होनी चाहिए. उन्होंने कहा, हम विश्वास करते हैं कि दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई होगी तथा पीड़ित परिवार को न्याय मिलेगा. हमारे एक भी कार्यकर्ता का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा.

शुभेंदु के सहयोगी की हत्या बंगाल में तृणमूल की 'रक्तपात की राजनीतिक संस्कृति' को दर्शाती है : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्लीः केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी की हत्या की घटना की कड़ी निंदा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में 'रक्तपात की राजनीतिक संस्कृति' को बढ़ावा दिया है. प्रधान ने एक पोस्ट में कहा, तृणमूल के गुंडों द्वारा की गई यह निर्मम, बर्बर और कायरतापूर्ण हत्या है. शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की क्रूरतापूर्ण हत्या पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तृणमूल द्वारा फैलाई गई रक्तपात की राजनीतिक संस्कृति की एक अन्य भयावह याद दिलाती है. केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को 'तृणमूल की भय और धमकी की राजनीति' के आगे झुकने से इनकार करने पर बार-बार 'निशाना बनाया गया, उन पर हमले किए गए और उनकी हत्या की गई'. उन्होंने कहा

कि यह हिंसा कोई छिटपुट घटना नहीं बल्कि लोकतांत्रिक विपक्ष को कुचलने के उद्देश्य से रचे गए 'आतंक के सुनियोजित तंत्र' का हिस्सा है. प्रधान ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख पर निशाना साधते हुए कहा कि टीएमसी की पकड़ से लगातार फिसलते बंगाल को लेकर ममता बनर्जी की हताशा अब अपने 'सबसे घिनौने रूप' में प्रकट हो रही है. भाजपा के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि 'लोकतांत्रिक रूप से विचारधारा और जनविश्वास का मुकाबला करने में असमर्थ' तृणमूल बंगाल पर अपनी कमजोर होती पकड़ को बनाए रखने के लिए धमकियों, क्रूरता और राजनीतिक रक्तपात का सहारा ले रही है. उन्होंने कहा, आज राज्य में जो हो रहा है, वह सीधे तौर पर लोकतंत्र पर हमला है, जहां असहमति का जवाब हिंसा से दिया जाता है और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को हत्या के लिए औचित्य माना जाता है. प्रधान ने कहा, लोकतंत्र में हिंसा और प्रतिशोध का कोई स्थान नहीं है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बंगाल की जनता भय और रक्तपात पर आधारित राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी. उन्होंने कहा, राजनीतिक हिंसा का हर कृत्य और इसके लिए जिम्मेदार हर व्यक्ति, चाहे वह अपराधी हो या संरक्षक, कानून के तहत जवाबदेह ठहराया जाएगा.

चंद्रनाथ रथ: वायुसेना के जवान से कैसे बने शुभेंदु के सबसे भरोसेमंद

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गयी, जो वायु सेना में सेवा देने के बाद भाजपा नेता के सहयोगी बने. भारतीय वायु सेना में सेवा देने से लेकर बंगाल में निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु के सबसे भरोसेमंद राजनीतिक सहयोगियों में से एक बनने वाले चंद्रनाथ का भाजपा नेता से दो दशक से अधिक पुराना नाता रहा. पार्टी सूत्रों के मुताबिक, 41 वर्षीय चंद्रनाथ मूल रूप से पूर्वी मेदिनीपुर जिले के चांदीपुर के रहने वाले थे. पूर्वी मेदिनीपुर, बंगाल की राजनीति में शुभेंदु के उदय का मुख्य केंद्र रहा है. शांत स्वभाव और जमीनी स्तर से जुड़े चंद्रनाथ वर्षों तक अधिकारी के करीबी लोगों में शामिल होने के बावजूद लोगों की नजरों से काफी हद तक दूर रहे. चंद्रनाथ ने सक्रिय राजनीतिक में प्रवेश से पहले राहारा रामकृष्ण मिशन से अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद भारतीय वायु सेना में लगभग दो दशक सेवा की. परिवार के करीबी लोगों ने बताया कि उन्होंने (चंद्रनाथ ने) एक बार आध्यात्मिक जीवन अपनाने पर विचार किया था और छात्र जीवन के दौरान रामकृष्ण मिशन के आदर्शों से गहरे प्रभावित हुए थे. चंद्रनाथ ने वायु सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद कुछ समय के लिए कॉर्पोरेट क्षेत्र में काम किया और फिर धीरे-धीरे राजनीतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियों की ओर अग्रसर हुए. शुभेंदु अधिकारी के परिवार की तरह चंद्रनाथ का परिवार भी पहले तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा हुआ था. चंद्रनाथ की मां हासी रथ तृणमूल के शासनकाल के दौरान पूर्वी मेदिनीपुर की एक स्थानीय पंचायत में पद पर थीं और 2020 में उन्होंने शुभेंदु के साथ भाजपा में शामिल होने का फैसला किया. परिवार के जानकारों का कहना है कि रथ परिवार और शुभेंदु का रिश्ता दो दशक से भी अधिक पुराना है. चंद्रनाथ औपचारिक रूप से 2019 के आसपास शुभेंदु की आधिकारिक टीम का हिस्सा बने जब वह (शुभेंदु) ममता बनर्जी सरकार में मंत्री थे. चंद्रनाथ ने शुरुआत में शुभेंदु के मंत्री पद से जुड़ी जिम्मेदारियां संभालीं और बाद में उनके भाजपा में शामिल होने के बाद भी इसी तरह की भूमिका निभाते रहे. पिछले कुछ वर्षों में चंद्रनाथ, शुभेंदु के राजनीतिक अभियानों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यक्ति के रूप में उभरे. उन्होंने संगठनात्मक कार्यों का समन्वय, प्रबंधन और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संचार बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. वह भाजपा के भवानीपुर चुनाव अभियान सहित कई चर्चित विधानसभा सीटों पर प्रचार के दौरान पार्टी की मुख्य टीम का हिस्सा भी थे.

अरविन्द मार्डीकर दूसरी बार हि.स. के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

नई दिल्ली : अरविन्द भालचन्द्र मार्डीकर एक बार पुनः हिन्दुस्थान समाचार (हि.स.) बहुभाषी न्यूज एजेंसी के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं. बुधवार (06 मई) को नई दिल्ली में हुई हिन्दुस्थान समाचार सहकारी समिति (लि.) की विशेष वार्षिक सभा में उन्हें लगातार दूसरी बार अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया. इसके साथ ही वरिष्ठ पत्रकार पद्म विभूषण रामबहादुर राय, प्रसिद्ध समाजसेवी रविंद्र मनिलाल संघवी एक बार पुनः निदेशक मंडल के सदस्य निर्वाचित हुए हैं. नई दिल्ली स्थित इं.गां.राष्ट्रीय कला केन्द्र के उमंग सभागार में आयोजित हि.स. की विशेष वार्षिक आम सभा इस वर्ष निर्वाचन सभा भी थी. इसमें नए निदेशक मंडल के गठन के साथ ही अध्यक्ष का निर्वाचन भी हुआ. अगले तीन वर्ष के लिए नागपुर निवासी अरविन्द भालचन्द्र मार्डीकर को एक बार पुनः निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया . इससे पहले 2023 में वे पहली बार अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए थे. अगले तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए पद्म विभूषण रामबहादुर राय और रविंद्र मनिलाल संघवी (मुंबई) एक बार पुनः निदेशक मंडल के सदस्य निर्वाचित हुए हैं. वरिष्ठ पत्रकार और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मीडिया सलाहकार अशोक टंडन निदेशक मंडल के नए निर्वाचित सदस्य होंगे. इसके साथ ही पूर्व में विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर शामिल परेशकांत प्रेम मनोहर मांगलिक (मुंबई) एवं मंगल प्रताप पांडेय (रांची) निदेशक मंडल के सदस्य निर्वाचित किए गए हैं. इंदौर के प्रसिद्ध व्यवसायी कमल कांत वशिष्ठ निदेशक मंडल में नए सदस्य के तौर पर निर्वाचित किए गए हैं. अधिवक्ता व निर्वाचन अधिकारी अजित कुमार ने नियमानुसार निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न कराई. एक बार पुनः अध्यक्ष निर्वाचित होने के पश्चात निदेशक मंडल के सभी सदस्यों ने अरविन्द मार्डीकर का अभिनंदन किया. वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय ने उनके पिछले कार्यकाल सहित अब तक की उनकी यात्रा की उल्लेखनीय उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने हर चुनौती का सामना करते हुए हि.स. को सर्वोपरि रखा. रविंद्र संघवी ने कहा कि अखंड ऊर्जा से भरे हमारे अध्यक्ष के हाथों में हि.स. का भविष्य सुरक्षित है और यह निरंतर प्रगति पथ पर बढ़ रहा है. निदेशक मंडल के सदस्यों ने अरविन्द मार्डीकर के कार्यकाल के दौरान हि.स. के आर्थिक तौर पर सबल होने, विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संस्थान के विस्तार के साथ ही विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की. धन्यवाद ज्ञापन में अरविन्द मार्डीकर ने इस सबका श्रेय संस्थान में कार्यरत अपने सभी सहयोगियों के परिश्रम और संस्थान के प्रति निष्ठा को दिया. उल्लेखनीय है कि 2016 में जब हि.स. को सुप्रसिद्ध उद्योगपति और एस.आई.एस.के संस्थापक आर.के.सिन्हा को संचालित करने के लिए सौंपा गया था तब अरविन्द मार्डीकर निदेशक मंडल के सदस्य के तौर पर सम्मिलित हुए थे.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी, पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन